तापमान
अधिकतम 39 .0 डिग्री
न्यूनतम 21.0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, सोमवार 21 अप्रैल 2025

12 दो महीने में पूरा हो जाएगा जींद में देश के पहले हाइड्रोजन प्लांट का निर्माण कार्य

12 छात्रों को छात्रवृत्ति, वर्दी, स्कूल बैग और स्टेशनरी भत्ता की राशि देने के लिए पत्र जारी

खबर संक्षेप

मारपीट में एक व्यक्ति घायल

कैथल। गांव सजुमा में हुई मारपीट में एक व्यक्ति घायल हो गया। उसे अस्पताल में दाखिल करवाया गया है। सजूमा के देवी दयाल ने कलायत पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि 17 अप्रैल को देर रात करीब 8:30 बजे गांव के ही रघुवीर, सोनू, राजकुमार, गौरव, अमन तथा दो-तीन महिलाओं ने मिलकर उसे पर लाठी, डंडे और गंडासियों से हमला करते हुए उसे घायल कर दिया। यह भी आरोप है कि आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी भी दी। जांच अधिकारी सब इंस्पेक्टर विजय कुमार ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विवाहिता 6 साल के बेटे के साथ हुई लापता

कैथल। गांव गुहना से एक विवाहिता अपने 6 साल के बेटे के साथ बिना बताए घर से चली गई। गांव गुहना के एक व्यक्ति ने सदर पुलिस कैथल को शिकायत में आरोप लगाया है कि 10 अप्रैल को उसकी 35 वर्षीय पत्नी उसके 6 साल के बेटे के साथ बिना बताए घर से चली गई। उन्होंने उसके आसपास काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। जांच अधिकारी एएसआई सुरेंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कार की चपेट में आने से एक बाइक चालक की मौत

कैथल। गांव सोलू माजरा के निकट कार की चपेट में आने से एक बाइक चालक की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा उसके परिजनों को सौंप दिया। खनौदा के रकम सिंह ने ढांड पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि 18 अप्रैल को जब उसका भाई धर्म सिंह गांव खनोदा से बाइक पर सवार होकर ढांड की तरफ आ रहा था तो जैसे ही वह गांव सोलूमाजरा के निकट पहुंचा तो एक स्विफ्ट डिजायर गाड़ी चालक ने अपनी गाड़ी को तेज गति और लापरवाही चलते हुए उसकी भाई की बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में उसका भाई धर्म सिंह बुरी तरह से घायल होते हुए सड़क पर जा गिरा। कार चालक ने अपनी गाड़ी को उसके ऊपर से निकाल दिया। उसके भाई को कैथल के निजी अस्पताल लाया गया जहां उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जैसे ही वह उसे जब पटियाला ले जा रहे थे तो बीच रास्ते उसने दम तोड़ दिया। दर्ज कर जांच शुरू करती है।

तीन युवाओं ने पिस्तौल के दम पर 10 हजार लूटे

कैथल। कैथल के गांव चंदाना के निकट से बाइक सवार तीन युवा एक व्यक्ति से पिस्तौल के दम पर 10000 की नकदी लूट कर फरार हो गए। कावेरी फूड बाता के राम मूर्ति ने बताया कि वह ठेकेदार का काम करता है। उसकी लेबर कैथल की अनाज मंडी में काम करती है। 17 अप्रैल को रात करीब 12:30 बजे जब वह गांव बात से अपनी लेबर के लिए खाना लेकर स्कूटी पर सवार होकर चंदाना की तरफ से आ रहा था तो जैसे ही वह चंदाना की नहर के निकट पहुंचा तो तीन युवाओं ने अपनी बाइक को स्कूटी के सामने लगा दिया।

पालवां में तालाब की रिटेनिंग वॉल, एक शेड तथा एक कमरा निर्माण की घोषणा

दाडन खाप भवन में लगेगा 40 किलोवाट का सोलर पैनल : मुख्यमंत्री सैनी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने घोषणा की कि दाडन्न खाप द्वारा जो मांगें रखी गई हैं, उन्हें पूरा करवाया जाएगा। गांव पालवां में तालाब की रिटेनिंग वॉल, एक शेड तथा एक कमरे का निर्माण करवाया जाएगा। साथ ही गांव पालवां में दाडन्न खाप भवन की चारदीवारी और ग्रिल का कार्य भी पूरा करवाया जाएगा। इसके अलावा दाडन्न खाप भवन में बरामदा कम हॉल का निर्माण भी करवाया जाएगा। इसके अलावा पालवां में दाडन्न खाप भवन में 40 केवी लोड बढ़ाने के लिए आवेदन करने पर विभागीय मानदंडों के अनुसार भवन में 40 किलोवाट का सोलर पैनल लगवाया जाएगा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को पालवा में आयोजित श्री धन्ना भगत जयंती राज्य स्तरीय समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में पहुंचने पर मुख्यमंत्री ने सर्वप्रथम धन्ना भगत के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्होंने कार्यक्रम में उपस्थित संत व महात्माओं का शॉल ओढ़ा कर उनका सम्मान किया और उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। समारोह के दौरान मुख्यमंत्री व अन्य अतिथियों ने धन्ना भगत जी के जीवन पर आधारित पुस्तक का भी विमोचन किया। सीएम ने धन्ना भगत के आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का आह्वान करते हुए कहा कि उनके दिखाए मार्ग पर चलते हुए हम सभी एक बेहतर समाज और राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दें।

धन्ना भगत विख्यात संत श्री रामानंदाचार्य के शिष्य थे। संत रामानंदाचार्य ने उत्तर भारत में भक्ति आंदोलन का व्यापक प्रचार-प्रसार किया था।उनकी प्रेरणा से ही श्री धन्ना भगत ने भक्ति आंदोलन का इतना प्रचार किया कि उन्हें राजस्थान में इस आंदोलन का प्रणेता कहा जाने लगा।

पालवां में आयोजित हुआ श्री धन्ना भगत जयंती राज्यस्तरीय समारोह

मुख्यमंत्री ने किया आह्वान : धन्ना भगत के आदर्शों को अपने जीवन में उतारें

जींद। श्री धन्ना भगत जयंती पर धन्ना भगत के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए सीएम नायब सैनी व सीएम को प्रतिमा भेंट करते हुए राज्यसभा सांसद सुभाष बराला व प्रदेशस्तरीय धन्ना भगत जयंती समारोह में धन्ना भगत के चित्र पर पुष्प अर्पित करते हुए पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु।

बच्चों को शिक्षित करें

उन्होंने अभिभावकों से भी आग्रह किया कि वे अपने बच्चों को शिक्षित करें और समाज से जात-पात, ऊंच-नीच की खाइयों को पाटते हुए भाईचारा बढ़ाने का काम करें। धन्ना भगत विख्यात संत श्री रामानंदाचार्य के शिष्य थे। संत रामानंदाचार्य ने उत्तर भारत में भक्ति आंदोलन का व्यापक प्रचार-प्रसार किया था। उनकी प्रेरणा से ही श्री धन्ना भगत ने भक्ति आंदोलन का इतना प्रचार किया कि उन्हें राजस्थान में इस आंदोलन का प्रणेता कहा जाने लगा। धन्ना भगत जी का जीवन सामाजिक समरसता का जीवंत उदाहरण है। सीएम ने कहा कि संतों की शिक्षाओं को जन-जन तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार ने संत महापुरुष सम्मान एवं विचार प्रसार योजना चलाई है। जिसके तहत संतों व महापुरुषों की जयंतियों के अवसर पर राज्य स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

साइक्लोथोन यात्रा का आयोजन

धन्ना भगत जी की सोच थी कि हर व्यक्ति सुखी, संपन्न और खुशहाल हो। उनकी सोच और विचारों को आगे बढ़ाते हुए और उनके जीवन और आदर्शों से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार हरियाणा एक-हरियाणवी एक के भाव से सबके कल्याण व उत्थान का कार्य कर रही है। धन्ना भगत की शिक्षाओं से भावी पीढ़ी को अवगत कराने के लिए धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र में श्री धन्ना भगत पब्लिक स्कूल स्थापित है। मुख्यमंत्री ने नशे को एक सामाजिक बुराई बताते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा प्रदेश में नशामुक्ति अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत लोगों को जागरूक करने के लिए प्रदेशभर में साइक्लोथान यात्रा का भी आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने अनुरोध किया कि नशे के खिलाफ जन. जागरण के इस अभियान में हर नागरिक अपना बहुमूल्य योगदान देए ताकि नशे को जड़ से समाप्त किया जा सके।

[जींद डिपो से 106 बस गई]

धन्ना भगत की जयंती कार्यक्रम में लगी जींद डिपो की 106 बसें

जींद। बसों के इंतजार में बैठे यात्री। फोटो :हरिभूमि

- लंबे तथा लोकल रूट पर बसें न जाने के चलते यात्री हुए परेशान
- आज से सुचारू रूप से होगा बसों का संचालन : जीएम

जींद। गांव पालवां में रविवार को प्रदेशस्तरीय संत शिरोमणि धन्ना भगत की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर मुख्यमंत्री नायब सैनी शिरकत ने शिरकत की। कार्यक्रम में जाने वाले लोगों को ले जाने के लिए जींद डिपो से 106 बस गई। इसके अलावा 65 बस भिवानी और 35 बस रोहतक डिपो से मंगवाई गई जो जींद से लोगों को लेकर कार्यक्रम में पहुंची। ऐसे में 106 बस जींद डिपो से कार्यक्रम में जाने पर रविवार को जींद से अल सुबह दिल्ली, गुरुग्राम, डबवाली, हरिद्वार, लुधियाना, अमृतसर और गुरुग्राम जैसे लंबे रूट के साथ-साथ कुरुक्षेत्र, भिवानी और कैथल जैसे लोकल रूट पर भी यात्री परेशान रहे। ऐसे में रोहतक, दिल्ली और कुरुक्षेत्र की ओर जाने वाले यात्रियों ने ट्रेन का सहारा लिया। वहीं नरवाना, असंध, गोहाना और हांसी जैसे रूट पर प्राइवेट बस चलने से यात्रियों को थोड़ी बहुत राहत मिली। जींद डिपो में इस समय 168 रोडवेज बसे हैं और परिवहन समिति की 162 बस अलग-अलग रूटों पर चलती हैं। जिलेभर में अलग-अलग रूटों पर 162 प्राइवेट बसें दौड़ रही हैं। इनमें नरवाना रूट पर 31, असंध रूट पर 16, गोहाना और बरवाला रूट पर 19, हांसी रूट पर 26, पुंडरी रूट पर तीन, जींद से पानीपत रूट पर 26, पिल्लूखेड़ा से रोहतक रूट पर पांच, नरवाना से हांसी रूट पर पांच, नरवाना से कैथल रूट पर 24 और नरवाना से हिसार रूट पर 20 निजी बसें शामिल हैं। वहीं रोडवेज बसों के नहीं होने पर सुबह पांच बज कर 50 मिनट पर जींद से चलने वाली अमृतसर, छह बजे डबवाली, छह बजकर 20 मिनट पर दिल्ली, साढ़े छह बजे हरिद्वार, सात बजकर दस मिनट पर सालासर, आठ बजकर 20 मिनट पर लुधियाना, दस बजकर 40 मिनट पर संगरूर, 11 बजे गुरुग्राम और 12 बजकर 35 मिनट पर गुरुग्राम जाने वाले टाइम मिस रहे।

आज से सुचारू रूप से होगा बसों का संचालन

जींद डिपो के महाप्रबंधक राहुल जैन ने बताया कि सोमवार से सभी रूट पर बसों का संचालन सुचारू रूप से जारी रहेगा। यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। पालवां गांव में आयोजित संत शिरोमणि धन्ना भगत की जयंती में रोडवेज बस गई थीए जो रविवार को शाम तक डिपो में आ गई थी।

चार लाख रुपये की रिश्वत लेते काबू किया गया पूर्व पार्षद दो दिन के पुलिस रिमांड पर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

एंटी करप्शन ब्यूरो अंबाला की टीम की ओर से चार लाख रुपये की रिश्वत लेते काबू किए गए गिरफ्तार पूर्व पार्षद कमत मित्तल को रविवार को कोर्ट में पेश किया गया। इस दौरान कोर्ट ने एसीबी को आरोपी का दो दिन का रिमांड दिया है। इसके साथ ही आरोपी का मेडिकल भी करवाया गया। अब रिमांड के दौरान यह भी पता लगाने का प्रयास किया जाएगा कि आरोपी ने कितने लोगों से रिश्वत के रूप में रुपये लिए हैं। वहीं, एसीबी की टीम ने उसके घर से 43 लाख रुपये की राशि भी बरामद की थी। इन रुपयों को लेकर भी एसीबी की ओर से जांच की जा रही है। बता दें कि अंबाला की एसीबी टीम ने कैथल के पूर्व पार्षद को चार लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। वह डीसी को रुपये देने के नाम पर व्यापारी से और पैसे मांग रहा था। व्यापारी को धमकी दी गई थी कि अगर उसने पैसे नहीं दिए तो कार्रवाई तय है। पकड़ा गया आरोपी सेक्टर-19 निवासी पूर्व पार्षद कमल मित्तल है। आरोपी आरटीआई और सीएम विंडो पर शिकायत करने और सेटलमेंट करने की एवज में पैसे लेता था। टीम यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि वह किन-किन अधिकारियों के संपर्क में था और अब तक उसने कितने पैसे ऐंठ लिए हैं। उसने फिर कमल से संपर्क किया और पूछा कि वह तो रुपए दे चुका है और सील भी खुल चुकी है, अब शिकायत क्यों। आरोप है कि कमल ने उसे जवाब दिया कि कुछ पैसे डीसी भी तो मांग रहा है। चार लाख रुपये देने की मांग रखी। उसने एंटी करप्शन ब्यूरो से संपर्क किया और पूरे मामले की जानकारी दी।

एसीबी को यह दी गई शिकायत

इस मामले में कैथल निवासी व्यापारी संदीप गर्ग ने 18 अप्रैल को एंटी करप्शन ब्यूरो को शिकायत दी थी। बताया कि उसकी पुराने बस स्टैंड के पास जमीन है, जिस पर उसने बिल्डिंग बनवाई थी। आरोपी ने इसकी शिकायत कर बिल्डिंग को सील करवा दिया था। इसके बाद उसके शिकायतकर्ता कमल मित्तल से संपर्क साधा। उसने पांच लाख 20 हजार रुपये लेकर सील को खुलवा दिया। इसके बाद भी आरोपी ने आरटीआई और सीएम विंडो पर उसकी शिकायत कर दी। उसकी बिल्डिंग की सील खुल गई थी। वह खुश था कि तभी पता चला कि कमल मित्तल ने उसकी दोबारा शिकायत कर दी है।

संत धन्ना भगत की जयंती मनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

नरवाना। धन्ना भगत की जयंती मनाते हुए। फोटो :हरिभूमि

संत धन्ना भगत की जयंती के अवसर पर मंच की तरफ से संत की मुर्ति की साफ सफाई करके माला पहनाई। इस मौके पर मंच के संयोजक सरदार हरचरण सिंह ने कहा संत कोई विशेष धर्म व जाति के नहीं होते संत सभी के लिए एक समान है। हरचरण सिंह ने बताया की नरवाना में संत धन्ना भक्त की मूर्ति के पास गंदगी के ढेर लगे हुए हैं और मेंन सड़क पर गंदगी के साथ लगभग एक.एक फुट के करीब पानी खड़ा हुआ है।

इस सड़क पर नजदीक हनुमान मंदिर व बाबा गैबी साहब मंदिर है यहां पर चोपड़ा मोहल्लाए ब्राह्मण मोहल्लाए मोर पत्ती सभी रास्ते यही से निकलते हैं राहगीरों को बहुत परेशानी हो रही है। लेकिन प्रशासन का इसकी तरफ कोई ध्यान नहीं है। एक तरफ उचाना में संत धन्ना भगत की जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गईए दूसरी ओर नरवाना में संत धन्ना भगत की प्रतिमा की किसी ने सुध नहीं ली नरवाना से लगती तहसील में राज्य स्तरीय समारोह मनाया गया।

नरवाना में संत धन्ना भगत की प्रतिमा के आसपास छ महीने से ज्यादा समय हो गया सड़कें गंदे पानी का तालाब बने हुए हैं लेकिन कोई सुध नहीं ले रहा है। न हो संत महात्माओं की जयंती पर भी प्रशासन की ओर से सफाई का कोई विशेष ध्यान नहीं दिया जाता है यह बहुत ही चिंतनीय विषय है इस पर सभी शहर वासियों को मिलकर आवाज उठानी चाहिए।

क्रेडिट की जानकारी जुटा लगाया 2.26 लाख का चूना, मामला दर्ज

जींद। साइबर ठगों ने बैंक कर्मी बन क्रेडिट कार्ड की जानकारी जुटा एक व्यक्ति को लगभग 2.26 लाख रुपये का चूना लगा दिया। साइबर थाना पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी समेत विभिन्न भारतीय न्याय संहिता के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव ईंटल कलां निवासी दयानंद ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत सात अप्रैल को उसके पास कॉल आई। कॉल करने वाले व्यक्ति ने खुद को एचडीएफसी बैंक कर्मी बताया और क्रेडिट कार्ड मिलने के बारे में पूछा। जब उसने बताया कि उसे क्रेडिट कार्ड मिल गया है। जिस पर उस व्यक्ति ने क्रेडिट कार्ड के पिन बनाने के लिए कहा। जो जानकारी उसने मांगी वह देता चला गया। उसके बाद भी उसके पास व्हाट्सअप पर कॉल आती रही। गत दिवस वह अपने जानकार को लेकर बैंक में पहुंचा तो पता चला उसके खाते में कुछ नही बचा है। उसके खाते से दो लाख 26 हजार रुपये निकाले जा चुके हैं। साइबर थाना पुलिस ने दयानंद की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दनौदा को बनाएंगे एनीमिया मुक्त गांव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

राजा राम शर्मा बने राह क्लब नरवाना के कार्यकारी अध्यक्ष नरवाना। राह ग्रुप फाउंडेशन की यूनिटों के विस्तार करने की कड़ी में गांव दनौदा स्थित चन्द्रशेखर आजाद सीए सेकेंडरी स्कूल के संचालक राजाराम शर्मा को राह क्लब नरवाना का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया है। वो नए अध्यक्ष बनने तक इस पद पर बने रहेंगे। यह जानकारी देते हुए राह क्लबों के जिला जींद प्रभारी राजेश टांक ने बताया कि नव नियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष राजाराम शर्मा को राह क्लबों के चेयरमैन नरेश सेलपाड़ए राष्ट्रीय सलाहकार सुदेश चहलए राह क्लब टोहाना के अध्यक्ष नवल सिंहए राह क्लब जाखल के अध्यक्ष राजीव शर्मा ने पद की शपथ दिलाई। इस दौरान नव नियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष राजाराम शर्मा ने गांव दनौदा को एनिमिया मुक्त बनाने का अभियान चलाने का ऐलान किया। इसके लिए बाकायदा हर दूसरे माह एक.एक जांच शिविर लगवाया जाएगा। खून की कमी के कारण महिलाओं में सिर दर्दए ब्लड प्रेशर का अनियमित होनाए आंखों के पास काले घेरे पडन्ना व जल्द थकने जैसी कई बीमारियां हो जाती है।

दो बाइकों के बीच हुई भिड़ंत में एक घायल

कैथल। कैथल के जींद रोड स्थित बजरंग मार्केट में दो बाइकों के बीच हुई भिडंत में एक व्यक्ति घायल हो गया। उसे अस्पताल में जाकर करवाया गया जहां उसकी नाजुक हालत को देखते हुए उसे पीजीआई चंडीगढ़ रेफर कर दिया गया। चंदाना गेट कैथल के संदीप कुमार ने सिविल लाइन कटरा पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि वह बजरंग मार्केट जींद रोड कैथल में कोरियर कंपनी में कोरियर सप्लाई का काम करता है। 18 अप्रैल को दोपहर बाद करीब 2:00 बजे जब वह बजरंग मार्केट से कोरियर सप्लाई करने के लिए अपने बाइक पर सवार होकर गोविंद कॉलोनी से ढांड रोड की तरफ जा रहा था तो एक बाइक चालक ने अपनी बाइक को तेज गति और लापरवाही चलते हुए उसकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में वह बुरी तरह से घायल हो गया। उसके परिजन उसे कैथल के सरकारी अस्पताल लेकर आए जहां पर उसकी गंभीर हालात को देखते हुए उसे पीजीआई चंडीगढ़ रेफर कर दिया गया। सिविल लाइन इंचार्ज इंस्पेक्टर शिव कुमार ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

फसल खरीदने के नाम पर आठ लाख 70 हजार रुपये की ठगी, तीन पर केस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

फ्रांसवाला गांव के एक किसान से पंजाब के तीन आरोपियों ने फसल खरीदने के नाम पर आठ लाख 70 हजार रुपये की ठगी कर ली। युवक नेट हाउस के जरिए खीरे की खेती करता है। आरोपियों ने उससे लाखों रुपये का माल खरीदा, लेकिन बाद में पैसे नहीं दिए और जान से मारने की धमकी दी। कैथल सदर थाना में दी गई शिकायत में फ्रांसवाला निवासी बलिंद्र ने बताया कि वह खेतीबाड़ी का काम करता है। फिलहाल उसने सब्जी का नेट हाउस लगाया हुआ है, जिसमें वह खीरे की खेती करता है। नेट हाउस से अमित ट्रेडिंग कंपनी माल खरीदती है। कंपनी के मालिक अमित, विक्की और मोनिका वालिया हैं, जो सब्जी मंडी वल्हा अमृतसर पंजाब के रहने वाले हैं और उससे सब्जी खरीदते हैं। उसके नेट हाउस से कंपनी में माल जाते हुए काफी समय हो गया है और अब बिल काफी ज्यादा आ गया है। अमित ट्रेडिंग कंपनी उसके माल की पेमेंट देने में आनाकानी कर रही है। आरोपी उसका फोन भी नहीं उठा रहे हैं। अगर कभी उठाते हैं तो उसे पेमेंट मांगने पर जान से मारने की धमकी दी जाती है। कंपनी के पास उसका अब तक का आठ लाख 70 हजार रुपये बकाया हैं।

50 एकड़ गेहूं की फसल जली, ट्रैक्टर व रीपर भी चढ़े आग की भेंट

आग से धू-धू कर जले दो दर्जन किसानों के अरमान

जिले में अलग-अलग आधा दर्जन स्थानों पर खेतों में लगी आग से दो दर्जन किसानों के अरमान धूंधू कर जल गए। जिसमें लगभग 50 एकड़ खड़ी गेहूं फसल, तूड़ी बना रहा ट्रैक्टर तथा रीपर व 20 एकड़ गेहूं के फाने जल गए,दर्जन भर किसानों की लगभग 50 एकड़ खड़ी गेहूं की फसल जल कर राख हो चूकी थी।

फायर बिग्रेड की गाड़ियों ने मौके पर पहुंच पाया आग पर काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिले में अलग-अलग आधा दर्जन स्थानों पर खेतों में लगी आग से दो दर्जन किसानों के अरमान धूंधू कर जल गए। जिसमें लगभग 50 एकड़ खड़ी गेहूं फसल, तूड़ी बना रहा ट्रैक्टर तथा रीपर व 20 एकड़ गेहूं के फाने जल गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंची फायर बिग्रेड की गाडिय़ों ने ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया। गांव ईंटलखुर्द के खेतों में अचानक आग भड़क उठी। हवा कि गति तेज होने के चलते आग तेजी फैलने लगी। जिसने पड़ोसी गांव राजपुरा तथा मिर्चपुर के खेतों को भी अपनी चपेट में ले लिया। खेतों में आग भड़की देख ग्रामीण अपने संसाधन लेकर खेतों में पहुंच गए और आग को आगे बढऩे से रोक लिया। सूचना मिलने पर दो फायर बिग्रेड की गाडियां मौके पर पहुंच गई और ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया लेकिन तब तक दर्जन भर किसानों की लगभग 50 एकड़ खड़ी गेहूं की फसल जल कर राख हो चूकी थी। उधर गांव बहबलपुर मे भी लगभग दस एकड फाने जल गए। वहीं गावं खेड़ी मसानिया में आग से तीन एकड़ फाने जल गए। वहीं गांव ढाठरथ निवासी मनोज अपने खेत में ट्रैक्टर के साथ रीपर से तूड़ी बना रहा था। ट्रैक्टर के गर्म होने के कारण आग भड़क उठी। जिसने रीपर तथा फोनों को अपनी चपेट मे लिया।

जींद। आग से जला ट्रैक्टर व रीपर व खेत में लगी आग। फोटो :हरिभूमि

लोक गायन

लोक संगीत का तात्पर्य पारंपरिक संगीत और लोक संगीत की आधुनिक धारणा दोनों से हो सकता है। हरियाणा प्रदेश में लोक गायन की अलग-अलग शैलियां प्रचलित हैं जैसे घरवा गायन, झूलना, पटका, रसिया, आदि। ये शैलियां राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के लोक गायकों द्वारा गाए जाने या प्रस्तुत किए जाने के तरीके में एक-दूसरे से भिन्न हैं। इसी तरह गाथाएं लोक संगीत का एक बहुत ही महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उनमें आमतौर पर ऊपर बताए गए गीतों की तरह लोक कविता के गीतात्मक गुण नहीं होते। वे समुदाय का अलिखित इतिहास हैं।

लुप्त होती प्रदेश की अनमोल विरासत रागनी

कला-संस्कृति

डॉ. सत्यवान सौरभ

हरियाणा की लोकसंस्कृति में रागनी एक महत्वपूर्ण कला है, जो समय के साथ धीरे-धीरे लुप्त होती जा रही है। यह न केवल मनोरंजन का माध्यम रही है, बल्कि सामाजिक संदेश देने, वीर रस जगाने और लोक इतिहास को संजोने का एक प्रभावशाली ज़रिया भी रही है। हरियाणा की रागनी न केवल मनोरंजन का एक सशक्त माध्यम रही है, बल्कि समाज सुधार की दिशा में भी इसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। यह लोककला सिर्फ़ संगीत नहीं, बल्कि एक आंदोलन रही है, जिसने लोगों को जागरूक किया, बुराइयों के खिलाफ खड़ा किया और समाज को एक नई दिशा देने का प्रयास किया। हरियाणवी

रागनी लोकसंस्कृति का अभिन्न अंग रही है और इसके प्रचार-प्रसार में जाहरवीर कल्लू खां, अजीत सिंह गोरखपुरिया, दयाचंद लांबा, राजेंद्र खड़खड़ी, जसमेर खरकिया, सुरेंद्र भादू, सूरजभान बलाली, मामन खान, सतीश ठेठ, कविता कसाना के साथ-साथ और भी कई महान कलाकारों का योगदान रहा है। आज भी कई युवा कलाकार रागनी को आगे बढ़ा रहे हैं और इसे डिजिटल मंचों के माध्यम से नई ऊँचाइयों तक ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। हरियाणवी रागनी को जीवित रखने में संदीप सरगथलिया, वीर सिंह फौजी, धर्मवीर नागर, राजबाला, मास्टर छोटूराम बड़वा जैसे कई कलाकारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इनकी मेहनत और समर्पण से यह लोककला आज भी जीवित है, हालाँकि इसे और संरक्षण और प्रोत्साहन की ज़रूरत है।

रागनी हरियाणवी लोकगीतों और कविताओं का एक विशिष्ट रूप है, जिसे मुख्य रूप से हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ हिस्सों में गाया जाता है। इसमें वीरता, प्रेम, भक्ति, सामाजिक मुद्दों और ऐतिहासिक घटनाओं का चित्रण किया जाता है। पहले यह कला अखाड़ों और मेलों में बहुत लोकप्रिय थी, जहां गायक अपनी आवाज़ और जोश के साथ लोगों को मंत्रमुग्ध कर देते थे। रागनी के माध्यम से महिलाओं के अधिकारों, शिक्षा और समानता पर ज़ोर दिया गया। कई लोकप्रिय रागनियों में बाल विवाह, दहेज प्रथा और महिलाओं पर अत्याचारों का विरोध किया गया है। बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ जैसे संदेशों को रागनी ने जन-जन तक पहुंचाया।

हरियाणवी समाज में जातिगत भेदभाव को ख़त्म करने और समानता का संदेश देने में रागनी की महत्त्वपूर्ण भूमिका रही है। कई प्रसिद्ध रागनियों ने बताया कि सभी मनुष्य समान हैं और कर्म को जाति से ऊपर रखना चाहिए। रागनी के माध्यम से शराब, जुए और अन्य नशों की लत से बचने के संदेश दिए गए। कलाकारों ने इन बुराइयों को जड़ से उखाड़ने के लिए प्रेरक गीत गाए। हरियाणा की ग्रामीण जनता के लिए रागनी एक ताकत बनी। इसमें किसानों की समस्याओं, मजदूरों के अधिकारों और सरकार से उनकी माँगों को जोरदार तरीके से उठाया गया। कई रागनियों में किसान आंदोलनों, फ़सल के सही दाम और सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए गए हैं।

ब्रिटिश राज के दौरान रागनी स्वतंत्रता सेनानियों के लिए एक प्रभावशाली हथियार बनी। लोकगायक अपनी रचनाओं के माध्यम से जनता में देशभक्ति की भावना भरते थे और अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह का आह्वान करते थे। आज के दौर में भी रागनी समाज सुधार का माध्यम बनी हुई है। डिजिटल मीडिया और मंचों पर युवा कलाकार सामाजिक मुद्दों पर रागनी प्रस्तुत कर रहे हैं। हरियाणवी लोकसंस्कृति की पहचान रागनी समय के साथ लुप्त होती जा रही है। कभी गाँवों के चौपालों, मेलों और अखाड़ों में गूँजने वाली यह कला अब केवल कुछ पुराने कलाकारों और रसिकों तक सीमित रह गई है। इसके लुप्त होने के पीछे कई सामाजिक, सांस्कृतिक और तकनीकी कारण ज़िम्मेदार हैं। पहले के समय में गाँवों में बैठकर बुजुर्ग अपनी अगली पीढ़ी को लोकगीत और रागनी सिखाते थे, लेकिन अब यह परंपरा समाप्त हो रही है। लोकगीतों और रागनी को नयी शैली में ढालने का प्रयास कम हुआ है, जिससे यह लोगों के लिए कम प्रासंगिक हो गई है। नवीन मनोरंजन साधनों टीवी, इंटरनेट और पॉप संस्कृति के बढ़ते प्रभाव के कारण युवा पीढ़ी लोककला से दूर होती जा रही है। आधुनिक संगीत उद्योग में रागनी को वह स्थान नहीं मिला जो अन्य संगीत शैलियों को मिला है। युवा पीढ़ी इसे करियर के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित नहीं हो रही है।

> कभी गांवों की चौपालों, मेलों और अखाड़ों में गूंजने वाली यह कला अब केवल कुछ पुराने कलाकारों और रसिकों तक सीमित रह गई है। इसके लुप्त होने के पीछे कई सामाजिक, सांस्कृतिक और तकनीकी कारण ज़िम्मेदार हैं। पहले के समय में गांवों में बैठकर बुज़ुर्ग अपनी अगली पीढ़ी को लोकगीत और रागनी सिखाते थे, लेकिन अब यह परंपरा समाप्त हो रही है। लोकगीतों और रागनी को नयी शैली में ढालने का प्रयास कम हुआ है, जिससे यह लोगों के लिए कम प्रासंगिक हो गई है। इस कला को संरक्षित करने के लिए कोई औपचारिक संस्थान या पाठ्यक्रम भी उपलब्ध नहीं हैं।

इस कला को संरक्षित करने के लिए कोई औपचारिक संस्थान या पाठ्यक्रम उपलब्ध नहीं हैं। रागनी को नए संगीत वाद्ययंत्रों और आधुनिक ध्वनि तकनीक के साथ प्रस्तुत किया जाए, ताकि यह युवाओं को भी आकर्षित कर सके। हरियाणवी फिल्म और म्यूजिक इंडस्ट्री में रागनी को स्थान दिया जाए। रागनी को रैप और हिप-हॉप जैसी आधुनिक शैलियों के साथ मिलाकर फ्यूज़न रागनी तैयार की जाए, जिससे यह युवाओं तक प्रभावी रूप से पहुंचे। हरियाणवी लोकसंस्कृति का एक महत्वपूर्ण अंग रागनी आज विलुप्ति के कगार पर है। मनोरंजन के आधुनिक साधनों के आगमन और बदलते सामाजिक परिवेश के कारण यह कला पिछड़ती जा रही है। यदि समय रहते इसके संरक्षण के प्रयास नहीं किए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को यह विरासत केवल किताबों में ही देखने को मिलेगी। स्कूलों और कॉलेजों में रागनी को पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाए, ताकि युवा पीढ़ी इसकी जड़ों से जुड़ सके। विश्वविद्यालयों में लोककला और संगीत की पढ़ाई के अंतर्गत रागनी पर शोध को बढ़ावा दिया जाए। बच्चों को पारंपरिक संगीत में रुचि दिलाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। सरकार और सांस्कृतिक संस्थानों को लोक महोत्सवों में रागनी को विशेष स्थान देना चाहिए। यूट्यूब, पॉडकास्ट और सोशल मीडिया के माध्यम से इसे युवाओं तक पहुँचाया जा सकता है। स्कूलों और कॉलेजों में रागनी की शिक्षा दी जानी चाहिए। लोक कलाकारों को आर्थिक और सामाजिक समर्थन दिया जाना चाहिए। रागनी केवल एक गीत शैली नहीं, बल्कि हरियाणा की संस्कृति की पहचान है। यदि इसे संरक्षित करने के लिए उचित क़दम नहीं उठाए गए, तो यह अमूल्य धरोहर धीरे-धीरे विलुप्त हो जाएगी।

अब समय आ गया है कि हम इसे फिर से लोकप्रिय बनाएं और इसकी समृद्ध परंपरा को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाएं। रागनी केवल लोकगायन नहीं, बल्कि समाज को जागरूक करने का सशक्त माध्यम है। यह सामाजिक बुराइयों के खिलाफ आवाज़ उठाने, सुधार की ओर प्रेरित करने और बदलाव लाने की ताकत रखती है। अगर इसे सही दिशा में प्रोत्साहित किया जाए, तो यह समाज सुधार की एक मज़बूत नींव बन सकती है।

रागनी सिर्फ़ गीत नहीं, ये समाज की आवाज़ है!
लोककला हमारी पहचान है, इसे बचाना हमारी शान है!

कविता | संदीप शर्मा

खेल पुराणे कड़ै गए

बता रै बील्ले खेल्या करते, वैं खेल पुराणे कड़ै गए।
बित्ती डंडा गोली कंचे, रोज उल्हाणे कड़ै गए।

चौक पै टोफी बेच्या करता, वो ताऊ भोळा कड़ै गया
कित गए कलम दवात बता, कट्टे का झोळा कड़ै गया
तीन और दो का करा फैसला, यार बिचौला कड़ै गया
भाड मैं भूगडे भुन्या करता, वो दादा ढोला कड़ै गया
बिन्या लीतर् यां हान्डया करते, वैं सीम सिमाणे कड़ै गए

कित गया बड कित गया पीपळ,कित जाम्मण आळा मोर गया
कित गई कात्तर की गींडी, कित खेल वो घट्टाटोर गया
कित गई गाड्डी कित गए रहडू, कित वो कच्चा गोहर गया
कित गए हाळी कित गए पाळी, कित वो डांगर ढोर गया
कड़ै सिपाही चोर गया,ल्हुक कै नैं डराणे कड़ै गए।

बाग तलक जो फैले थे वैं, शीशम जांडी कड़ै गए
ऐडी ठा चढ चीज मिलै, वैं टांड और टांडी कड़ै गए
जेठ मैं पाणी सीळा रह वैं, बास्सण हांडी कड़ै गए
राम बरसतए उतर् या करते,वैं पूडे मांडी कड़ै गए
वैं माणस आंडी कड़ै गए,वैं टेम सुहाणे कड़ै गए।

होया करदी सन्दीप कदे आडै,ऊँची हाट चुबार् यां की
कित गई प्यारे की साईकल जो,लदी रहै थी सार् यां की
छींटे दे-दे थळस्या करते,कित गई पाळ वैं गार् या की
कित पीत्तलके डेग गए कित, आग्य चली गई हार् यां की
कित का डंडा की जाळ गई,जोहडां मैं न्हाणे कड़ै गए।

कविता | सरोज दहिया

किसनै भारत देस बिगाड़या

साह्वा भारत देस कदीमी, बीज बिघन के बोये;
फिल्मां सेत्ती फैसन फैलया, सत करम मिलैं ना टोह्ये।

झूठी साच्ची घड़ै कहाणी, लोगां नै भरमावैं,
मूरख छोड़्डैं काम, अकलबंद नाम्मा खूब कमावैं;
भांड-भडेले-सांगी सारे, एक्टर ईब कहवावैं,
पहल्यां करैं कमाई, फेर संसद म्हैं कुर्सी पावैं;

नंगड़ जादू सीख गये, सारे नर-नारी मोह्ये,
साह्वा भारत देस कदीमी, बीज बिघन के बोये।

फिल्मां की थी कसर किते, ना इस डिजिटल नै हर ली,
चैनल खूब खखाटे ठाहें, सरम समूची मर ली;
झूठी कहाणी तैर रही सैं, साची बरगी लाग्गै,
बुद्धि ऊपर पड़दे पड़गे, लोग रात नै जाग्गै;

धरम-करम ना रहे बखत पै, हांडैं खोये खोये,
साह्वा भारत देस कदीमी, बीज बिघन के बोये।

ज्ञान रह्या ना आश्रमां का, काम वरण तै न्यारे;
बाह्मण पनही बेच रहे सैं, छतरी बणे बिचारे;
जमींदार नै धरती बेची, होगे वारे-न्यारे,
मीहने आळी तनख़ा भा गी, ओट रहे दुत्कारे;

'दहिया' नै तै गाम-काम म्हैं, जिंदगी के सुख टोह्ये,
साह्वा भारत देस कदीमी, बीज बिघन के बोये।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

शक्तिपीठ | राजस्थान के करौली जिले के कैलादेवी गांव में स्थित शक्तिपीठ उत्तर भारत के करोड़ों लोगों की आस्था का केंद्र है। यहां विशाल मेला लगता है

सिद्ध शक्तिपीठ राज राजेश्वरी कैलादेवी मंदिर

धर्म | विकास खितौलिया

ततः कलियुगे प्राप्ते कैलो नामा भविष्यति।
मम भक्तस्तस्य नामना भाव्या कैलेश्वरीत्यहम्॥

प्राचीन ग्रन्थों, स्कन्दपुराण में माता के प्राकट्य एवं चरित्र की अनेक कथायें मिलती हैं। पूर्व में इस कैलादेवी मन्दिर में केला मां का यह श्री विग्रह कब और कहाँ से आया, इसका कोई प्राचीन लिखित लेख, अभिलेख या बीजक तो मिलता नहीं। हाँ, जनश्रुति तथा वृद्धजनों के आधार पर इस सिद्धपीठ की स्थापना के विषय में जो कुछ मैया केला रानी के चमत्कारों और उत्पति की अनेक किवदन्तियों से ज्ञात हो सका वह इस प्रकार है कि प्राचीनकाल में बाँसीखेड़ा के पास एक प्राचीन ग्राम लोहर्रा के भयानक जंगल में स्थित गिरी, कन्दराओं में एक दानव रहता था जिसके आतंक के कारण संयासी एवं आमजन ग्रामवासी थर-थर कांपते थे। वहीं लोहर्रा ग्राम से कुछ दूरी पर वर्तमान मन्दिर से 3 किमी दूर एक गुफा में जहाँ बाबा केदारगिरि, माँ भगवती की उपासना तप किया करते थे। दानव के आतंक से मुक्ति दिलवाने के लिए बाबा केदारगिरि ने स्वयं हिंगलाज पर्वत पर जाकर घोर तपस्या की और मां कैलादेवी को प्रसन्न किया और वरदान मांगा कि वह दानव का नरसंहार करे। कुछ समय पश्चात ने उस दानव का मां कैला ने एक कन्या के रूप में कालीसिन्ध नदी के तट पर वध कर दिया। वर्तमान समय में इस स्थान को दानवदह (दानादह) के नाम से जाना जाता है जहां एक बडे पाषाण पर आज भी दानव के पैरों के चिन्ह तथा माताजी के चिन्ह एक शिला पर बने हुए हैं। दानव के वध के पश्चात बाबा केदारगिरी ने कैलादेवी प्रतिमा की स्थापना 1114 ई. में की थी। कैला ग्राम के समीप घोर बियावान जंगल के त्रिकूट नामक पर्वत पर राज राजेश्वरी कैलादेवी का दिव्य मन्दिर है। इस विशाल बियावान जंगल को कैलादेवी अभयारण्य कहा जाता है। यह उत्तर भारत के सिद्ध शक्तिपीठों में से एक है। मन्दिर के नीचे धनुषाकार में एक नदी बहती है जिसे कालीसिल (शिला) नदी कहा जाता है। लगभग सन् 1700 ई. में पुनः निर्मित कैला देवी माँ का यह सिद्ध शक्तिपीठ करौली राज्य जनपद में होने के कारण ही इन्हें करौली वाली माता भी कहा जाने लगा।

बोहरा भगत की किवदन्ती के अनुसार वह अपनी बकरियाँ को उस दुर्गम पहाड़ियों पर चराता था, प्रतिदिन उसकी बकरियां एक विशेष स्थान पर अपना दूध सृवित करती थी। उसने भक्ति भाव से इस स्थल की खुदाई की तो मां केला देवी की प्रतिमा निकली। भगत ने भक्तिपूर्वक पूजन कर ज्योति जगाई धीरे-धीरे प्रतिमा की ख्याति पूरे क्षेत्र में फैल गई। निकटस्थ आमपीतुपुरा ग्राम के मीणा परिवार ने अपनी भक्ति से देवी को प्रसन्न किया। तभी से उसी परिवार के बंशज देवी का भाव प्रकट करके गोठिया कहलाते हैं। अधिकांश लोगों में चर्चा रहती है की माँ कैला देवी की मूर्ति का मुख एक ओर टेढ़ा क्यों है। इस बारे में भी कई किवदन्तियाँ हैं। इनमें कौनसी बात सही है, यह बताना मुश्किल है। कुछ विद्वान लोगों का विचार है कि मां चामुण्डाजी तमोगुणी है और वह मांस मदिरा आदि का भक्षण करती है और माँ कैलादेवी सात्विकी, सतोगुणी है और वे इन चीजों का सेवन नहीं करतीं इसलिए मातेश्वरी केला ने अपना मुख चामुण्डा देवी की ओर से घुमा लिया है।

एक किवदन्ती के अनुसार आगरे के रहने वाले गोली भगतजी भी कैलादेवी का अनन्य भक्त था जो पुराने जमाने में बैलगाड़ियों के रसाले के साथ देवी भक्तों को लेकर प्रति वर्ष कैलादेवी मंदिर आता था। गोली भक्त को किसी कारणवश मन्दिर में दर्शन नहीं करने दिये, इससे माँ कुपित हो गई और इसी से उनका मुख एक ओर टेढ़ा हो गया। जबकि कुछ लोगों का कहना है कि माताजी का एक भक्त जाते समय माँ से कह गया था कि माँ मैं जल्दी ही लौट कर आऊँगा लेकिन वह फिर नहीं आ सका। अतः माँ का भक्त जिस दिशा में गया था, उसी ओर देखकर उस भक्त की प्रतीक्षा कर रही है।

माँ श्रीकैलादेवी का यह मन्दिर अब जिस भूमि पर बना हुआ है, वह भूमि कभी चम्बल नदी के पार कोटा राज्य में खींची राजा श्री खींची मुकुन्ददास के अधिकार में थी। इन्होंने श्रीकैलादेवी मन्दिर से लगभग 10 किमी. दूर दक्षिण में बसे बाँसीखेरा गाँव में स्थापना बीजक सम्वत 1207 में मां चामुण्डा की मूर्ति स्थापित कर उसकी आराधना की थी। बाँसीखेरा ग्राम खण्डर रूप में परिवर्तित होने के कारण चामुण्डा मैया की यही मूर्ति बाद में सेवा-पूजा के अभाव के कारण करौली के महाराज श्री गोपालसिंह के द्वारा 1708 ई. में यहाँ प्रतिष्ठित हुई। 1787 में मन्दिर का निर्माण कार्य पूरा हुआ बाद में अन्य परवर्ती करौली यदुवंशी शासकों द्वारा समय समय पर मंदिर का व्यापक विकास होता चला आ रहा है। राजा जयसिंहपाल, राजा अर्जुनपाल, राजा भंवरपाल, राजा कृष्ण चंद्रपाल, युवराज विवासतपाल ने मंदिर में अनेक विकास कार्य मंदिर ट्रस्ट के माध्यम से करवाए। प्रतिवर्ष यहाँ अमावस्या से लेकर नवमी तक हजारों दर्शनार्थी पहुँचते हैं। किन्तु चैत्र माह की नवरात्रें के दिनों में तो अपार जन-समूह एकत्र होता है। लाखों जात देने वाले परिवार यहाँ पहुँचकर माता के दर्शन-पूजा करते हैं। अपनी माता की पहली जात देने की लिए श्रद्धालुजन विवाह पश्चात नवविवाहित जोड़े को लेकर माता के दर्शन-पूजा करते हैं और संतान प्राप्ति का सुख पाकर एवं अपनी मन्नत पूरी करने के पश्चात भी आते है। यहाँ नवरात्रों के समय विशालतम लक्खी मेला का आयोजन होता है जिसे कुम्भ के बाद उत्तर भारत का दूसरा धार्मिक मेला माना जाता है। प्रतिदिन रोजाना लाखों की संख्या में दूरदराज के पदयात्री ध्वज लेकर आते हैं। मेले के दौरान महिला यात्री सुहाग के प्रतीक के रूप में हरे रंग की चुड़ियां एवं सिंन्दूर की खरीदारी करती हैं।

समाज निर्माण में फिल्मों का अहम योगदान : अशोक वर्मा

कलाकार | ओ.पी. पाल

हरियाणवी सिनेमा के दौर को जीवंत करने के लिए फिल्म और लोक कला से जुड़े कलाकारों ने अपनी संस्कृति एवं परंपराओं को जीवंत करने के लिए बॉलीवुड तक का सफर तय किया है। ऐसे कलाकारों में पिछले लंबे समय से हरियाणवीं फिल्म उद्योग से जुड़े अभिनेता अशोक वर्मा भी शुमार है, जिन्होंने समाजिक सरोकारों से जुड़े मुद्दों पर फिल्मों, वेब सरीज और सीरियलों में अपनी अभिनय की कला के साथ फिल्म निर्माता के रूप में भी लोकप्रियता हासिल की है। हिंदी, पंजाबी और हरियाणवी सिनेमा में लेखन और अभिनय के साथ हास्य कलाकार के रुप में उन्होंने हिरयाणवी संस्कृति और सामाजिक सरोकार से जुड़ मुद्दों को सर्वपरि रखते हुए युवा पीढ़ी को भी सकारात्मक संदेश देने का प्रयास किया है। फिल्म निर्माता और अभिनेता अशोक वर्मा ने हरिभूमि संवाददाता से हुई बातचीत में कई ऐसे अनछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें फिल्मों की पटकथा का सकारात्मक दृष्टिकोण समाज के निर्माण में अहम भूमिका निभा सकता है।

हरियाणवी फिल्म निर्माता और अभिनेता अशोक वर्मा का जन्म 6 सितंबर 1982 को जींद जिले के गांव रामकली में धर्मवीर वर्मा और ओमपति देवी के घर में हुआ। उनके पिता जींद के सफीदों में हरियाणा स्वास्थ्य विभाग में फोरमैन के पद पर तैनात रहे, जहां वह बचपन से ही परिवार के साथ रहते हैं। घर परिवार में भले ही कोई सांस्कृतिक या कला का माहौल

नहीं था, लेकिन अशोक वर्मा को बचपन से ही सांस्कृतिक गतिविधियों में रुचि थी। स्कूल के दौरान वह बाल सभाओं में होने वाले वाले कार्यक्रमों में हिस्सेदारी करते थे। बकौल अशोक वर्मा, साल 2001 में वह जब लैब तकनीशियन की परीक्षा देने चंडीगढ़ गए, तो पता चला कि पंजाबी हास्य कलाकार जसपाल भट्टी भी यहीं रहते हैं और उन्होंने उनसे मुलाकात करके अपनी कला को साझा किया। उन्होंने अपने साथ काम करने का मौका दिया और यहीं से उनका पंजाबी सीरियल प्रोफेसर मनी प्लांट से कला के क्षेत्र में करियर शुरू हुआ। अशोक वर्मा ने बचपन में फिल्मों में काम करने का जो सपना संजोया था उसी लक्ष्य के साथ वह 2005 में मुंबई पहुंच गये, जहां उन्होंने अपने एक दोस्त एवं टीवी सीरियल डायरेक्टर अभिषेक भोला के कहने पर हिंदी बॉलीवुड फिल्म 'गोल्डन बॉयज' के लिए ऑडिशन दिया, जिसके लिए उन्हें डॉक्टर के किरदार के रूप में असरानी और मुकेश तिवारी जैसे कलाकारों के साथ काम करने का मौका मिला। इसी दौरान उन्होंने स्टार प्लस टीवी धारावाहिक में बॉलीवुड अभिनेता के साथ भी अभिनय करने के अलावा हिंदी सीरियल लापतागंज में काम किया, लेकिन कुछ परिवारिक समस्याओं के कारण उन्हें वापस हरियाणा आना पड़ा। उन्होंने हरियाणवी वेब सीरीज़ भूतां का बटेऊ, फिल्मी थाना, दो जुगाड़ी, पहलवान बहु, फंडू सरपंच, फंडू का स्कूल, टाइम पास, धर्मे का कुनबा आदि कई अन्य फिल्मों में हास्य कला का प्रदर्शन किया। तब से वह लगातार हरियाणवी फिल्म उद्योग में काम कर रहे हैं।

ऐसे मिली अभिनय को मंजिल

अभिनेता अशोक वर्मा ने पिछले दो दशक से ज्यादा समय में हरियाणवी, पंजाबी और हिंदी सिनेमा में काम करते हुए फिल्म निर्माता और फिल्म पटकथा लेखक के रूप में भी लोकप्रियता हासिल की है। अब तक 15 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय करने के साथ उन्होंने करीब 20 वेब सीरीज में भी प्रमुख अभिनेता का किरदार निभाया। उनके द्वारा निर्मित हिट फिल्मों में पुनर्जन्म, रमेश रोशनी की लव स्टोरी, वीर किसान, स्वर्ग वर्सेस नरक, भाईचारा आदि में अपने अभिनय की कला को दिखाया है। लोकप्रिय फिल्म निर्माता एवं अभिनेता की आने वाली फिल्मों में मासूम शर्मा, यशपाल शर्मा व सपना चौधरी के साथ फिल्म 'लाइसेंस' मुकेश दहिया के साथ फिल्म 'हलालपुर' के अलावा प्रीत पराई, कमीनो के सुपर स्टार, धीमा जहर, हैलो पुलिस, गडरिया, हॉरर, अनामिका होंगी। वहीं सुमन सेन और अनामिका बावा के साथ फिल्म 'एक रहस्य' और फिल्म 'रोहतक कब्जा' हैं, जिसमें उन्होंने आशुमन प्रोडक्शन के तहत निर्माता की भूमिका भी निभाई है। इसके अलावा अशोक वर्मा ने अमित सैनी रोहतकिया, मासूम शर्मा, एमडी, केडी, देव कुमार देवा, सुरेंदर रोमियो, मनीष मस्त, जीतू जी, विक्की काजला अन्नू कादयान, वीर साहू, सपना चौधरी आदि हरियाणवी टॉप सिंगरों के साथ भी करीब 400 हरियाणवी गानो में बतौर मॉडल व अभिनेता काम किया है। वहीं सरकार, राजनीतिक और विभिन्न कंपनियों के विज्ञापन फिल्मों में भी एक्टिंग की है।

पुरस्कार व सम्मान

हरियाणवी फिल्म निर्माता एवं अभिनेता अशोक वर्मा की फिल्म 'धीमा जहर' को हाल ही में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने रोहतक के एमडीयू में आयोजित हरियाणा फिल्म महोत्सव में बेस्ट एडिटर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। साल 2022 में ग्लोबल आईकोनिक अवार्ड से भी नवाजा जा चुका है।

खबर संक्षेप

बाइक चोरी मामले में आरोपी गिरफ्तार

कैथल। दुपहिया वाहन चोरों पर शिकंजा कसते हुए एक बाइक चोरी करने के मामले की जांच एंटी व्हीकल स्टाफ प्रभारी एसआई प्रदीप कुमार की अगुवाई में एसआई जयभगवान की टीम द्वारा करते हुए आरोपी नरवाना निवासी अमित को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि गांधी नगर कैथल निवासी गौराग की शिकायत अनुसार 8 अप्रैल को पदमा सिटी मॉल की पार्किंग में खड़ी उसकी बाइक को अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया। जिस बारे थाना सिविल लाइन में मामला दर्ज कर लिया गया। आरोपी के कब्जे से चोरीशुदा बाइक बरामद कर ली गई।

बिजली आपूर्ति जारी रहने से लगी खेतों में आग

सीवन। गेहूं की कटाई के दौरान बिजली विभाग द्वारा दिन के समय बिजली आपूर्ति बंद न करने से खेतों में आग लगने की कई घटनाएं सामने आई हैं। इससे न सिर्फ किसानों की मेहनत स्वाहा हुई, बल्कि पशुधन और कृषि यंत्रों को भी नुकसान पहुंचा है। जय दादा खेड़ा जनकल्याण ट्रस्ट, फिरोजपुर के सदस्य बलदेव मोगा ने इस मुद्दे को गंभीर बताते हुए प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की है।बलदेव मोगा ने कहा कि पहले हर साल गेहूं के सीजन में एहतियातन दिन में बिजली आपूर्ति बंद की जाती थी, जिससे ओवरलोड या टूटे तारों से निकलने वाली चिंगारी से खेतों में आग न लगे।लेकिन इस बार विभाग ने ऐसी कोई व्यवस्था नहीं की, जिसके चलते कई जगहों पर खेतों में आग लगी और किसानों की सालभर की मेहनत पल भर में राख हो गई।

पुलिस जांच अधिकारियों पर गंभीरता से कार्य न करने का आरोप

कलायत। में चोरी की बढ़ती घटनाओं को लेकर लोगों में भारी गुस्सा है। इस मुद्दे को लेकर शहर के लोगों ने प्रदेश मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और हरियाणा पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखने का निर्णय लिया है। साथ ही जिला पुलिस अधीक्षक को भी स्थिति से अवगत करवाया जाएगा। यह निर्णय स्थानीय लोगों और दुकानदारों ने रविवार को लिया। दुकानदारों ने बताया कि कलायत के रेलवे रोड पर चार दुकानों में लाखों रुपए चोरी कई दिन पहले हुई। पांच दिन दिन बीत जाने के बाद भी पुलिस अभी तक चोरों को पकड़ नहीं पाई है। हालात इस कदर खराब हैं कि दिन-दिहाड़े मोटर साइकिल व अन्य सामान को चुराया जा रहा है। जबकि रात्रि में दुकानें चोरों के निशाने पर हैं। इसके बावजूद भी पुलिस जांच अधिकारी कार्यवाही में रुचि नहीं ले रहे। पार्षद जगदीश रायका 10 अप्रैल से उनके चोरी गई मोटर साइकिल की जांच कार्यवाही के लिए पुलिस की बाट जोह रहे हैं।

फसल अवशेष जलाने पर लगेगा जुर्माना

कैथल। फसल अवशेष जलाने वाले किसानों पर लगेगा जुर्माना कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के उपनिदेशक डॉ बाबू लाल ने बताया कि जिला उपायुक्त प्रीति के दिशा-निर्देशानुसार खण्ड व जिला स्तर पर फसल अवशेष प्रबन्धन को लेकर टीमों का गठन किया गया है। डीसी द्वारा जारी किए गए आदेशों के तहत भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के अन्तर्गत समस्त कैथल जिले में गेहूं की फसल की कटाई के बाद बचे हुए अवशेषों को जलाने को लेकर प्रतिबंध लगाया गया है। अगर कोई किसान फसल अवशेषों को जलाते हुए पाया गया तो भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 व संपठित वायु एवं प्रदूषण नियंत्रण अधिनियम 1981 के तहत दो एकड़ तक पांच हजार रुपये, पाँच एकड़ तक 10 हजार रुपये, पाँच एकड़ से ऊपर 30 हजार रुपये तक का जुमार्ना व इसके साथ रेड एंट्री और अगले दो सीजन तक अपनी फसल को बेच नहीं सकता।

किसानों और आढ़तियों में चिंता का माहौल, वेयरहाउस और ठेकेदार पर उठे सवाल

मंडी में लोडिंग व्यवस्था चरमराई, खुले में पड़े लाखों गेहूं के कट्टे, बारिश बनी खतरा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| पूंडरी

पूंडरी अनाज मंडी में रविवार दोपहर के बाद मौसम में अचानक आई तब्दीली से किसानों और आढ़तियों की धड़कनें तेज हो गईं। कारण था मंडी और मंडी से बाहर खुले में पड़े लाखों गेहूं के कट्टे, जो अब तक तुलाई और उठान की प्रक्रिया से नहीं गुजर सके हैं। यदि बारिश हो गई, तो खुले में पड़े इन कट्टों के खराब होने, दीमक लगने और अंकुरित होने का खतरा बना हुआ है।

बहुत से किसानों की फसल अभी भी खेतों में कटाई के इंतजार में खड़ी है, वहीं जिन किसानों ने कटाई पूरी कर ली है, वे गेहूं मंडी में जमा करा रहे हैं। लेकिन सबसे बड़ी समस्या वेयरहाउस की ओर से उठान न किए जाने की है। वेयरहाउस पूंडरी को लोडिंग का ठेका आरएन ट्रांसपोर्ट कंपनी के प्रगट सिंह को दिया गया था, जिसने 1.80 लाख कट्टों में से अब तक मात्र 36 हजार कट्टों का ही उठान किया है। रविवार को तो एक भी कट्टा नहीं उठाया गया। एजेंसी द्वारा ठेकेदार को छह बार नोटिस दिए जा चुके हैं। अब वेयरहाउस प्रबंधन स्वयं लोडिंग की व्यवस्था करने में जुट गया है और विभागीय कार्रवाई की बात भी कही गई है।

अब तक एफसीआई द्वारा चार लाख 20 हजार कट्टे गेहूं की खरीद की जा चुकी है, जिसमें से मात्र 1.45 लाख कट्टों का ही उठान हो पाया है। बाकी 2.75 लाख कट्टे मंडी में ही पड़े हैं। वेयरहाउस द्वारा खरीदे गए 1.80 लाख कट्टों में से 36 हजार कट्टे ही उठाए गए हैं। आडती लोडिंग की समस्या को लेकर बार-बार उच्चाधिकारियों को अवगत करवा रहे हैं, लेकिन उसके बावजूद भी सम्बंधित ठेकेदार के खिलाफ ठोस कार्रवाई अमल में नही लाई जा रही हैं। ठेकेदार द्वारा लोडिंग के लिए पर्याप्त साधन नहीं किये गए हैं, जबकि सीजन समाप्ति की तरफ है। हल्का विधायक सतपाल जांबा ने भी अनाज मंडी का दौरा कर आ?तियों व किसानों की समस्याओं को सुन अधिकारियों को सख्त निर्देश दिये थे, लेकिन वेयर हाउस के अधिकारी ठेकेदार से मिलीभगत के कोई कार्यवाही नहीं कर रहे है।

पूंडरी। अनाज मंडी में खुले में पड़ाा गेंहू व कट्टे।

किसान काट कटवाकर डाल रहे गेहूं

मंडी में ढिलमुल खरीद चलने, लेबर की कमी, एजंसियों के पास पर्याप्त गेंहू लगाने के लिए स्पेस, वाहन, लेबर न होने से आढ़तियों को काफी समस्याओं का सामना करना पड रहा है। जिसके चलते कई आढ़तियों ने किसानों का गेंहू तुलाई कर एक जगह मंडी में एकत्रीत कर लिया है। किसान रामबीर सिंह, प्रह्लाद, रामकला, सुभाष चंद, नरेश कुमार ने बताया कि उन्होंने गेंहू की नमी के हिसाब से एक से दो किलोग्राम प्रति किवंटल काट कटवाकर गेंहू को आडती को दे दिया है, अब आडती की गेंहू बड़ें या घटे उसकी जिम्मेदारी है।

1.80 लाख में से मात्र 36000 कट्टों का उठान

ट्रान्सपोर्ट कम्पनी के प्रगट सिंह ने लिया हुआ। जिसने 1.80 लाख कट्टों में से मात्र 36 हजार कट्टों ला उठान किया है ओर रविवार को एक कट्टा भी नहीं उठाया। जिसे 6 बार नोटिस दिया जा चुका है। अब एजेन्सी उसपर कार्रवाई करते हुए खुद लोडिंग का इंतजाम करने में लगी हुई है। ठेकेदार के खिलाफ लापरवाही के चलते विभागीय कार्रवाई भी की जाएगी।

नहीं आएगी समस्या

मंडी में किसानों व आढतियों को कोई समस्या न आएं। इसके लिए लगातार खरीद एजंसियों के अधिकारियों के सम्पर्क में है। वेयर हाउस का कार्य बहुत ढीला चल रहा है। जिसके लिए उच्चाधिकारियों को अवगत करवा दिया गया है।
-गुलाब सिंह, सचिव मार्किट कमेटी पूंडरी।

पबनावा के भट्ठा मजदूरों से बातचीत करते नरेश कुमार

गर्मी के कारण मजदूरों में हाहाकार ढांड बिजली प्रशासन लापरवाह

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कैथल

लाल झंडा भट्ठा मजदूर यूनियन के जिला सचिव नरेश कुमार ने गोपाल भट्ठा पबनावा डांड पर दौरा कर मजदूरों से बात कर उनका हाल-चाल जाना। मजदूर में वीरेंद्र, कारू,मनीष, छोटेलाल, गोवर्धन, देवीसिंह, आसना, रूबी, करी, बचकानी, गोरी, कामनी देवी, सुखिया, मुन्नी, रेखा, साधना, अवधेश कुमार, शंकर, सूरज बिंद आदि ने बताया कि लगभग पिछले एक महीने से रात के समय पूरी पूरी रात लाइट नहीं आती जिस कारण खेतों के सारे मच्छर हमारी जोगियों में घूस जाते है। मच्छरों के बहुत ज्यादा काटने से पूरी रात बच्चे सो नहीं पाते और सारी रात रोते भी रहते हैं जिस बारे में कई बार बिजली विभाग के एसडीओ डांड, और एक्शन पूंडरी आदि से बात भी कर चुके हैं और लिखित भी दे चुके है लेकिन समस्याएं ज्यों की त्यों बनी हुई है। पूरा दिन कठिन मेहनत करने के बाद रात को ठीक से सो न पाने से कई मजदूर बीमार भी हो चुके हैं लेकिन प्रशासन के कान के नीचे जो तक नहीं रेंग रही।

मजदूरों की समस्या सुनकर कॉमरेड नरेश रोहेड़ा ने पुंडरी बिजली विभाग एक्शन से फोन पर बात की लेकिन पुंडरी एक्शन ने भी कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। उसने यह कह कर फोन काट दिया कि ये मेरी जिम्मेदारी नहीं संबंधित जेई एसडीओ से मिलो। प्रेस को दी जानकारी में नरेश कुमार ने कहा अगर प्रशासन व सरकार मजदूरों समस्याओं को हल न कर ऐसे ही अनदेखी करती रहेगी तो यूनियन ने मजबूरन आंदोलन करना पड़ेगा। इस मौके पर महिपाल राणा, शोफि शर्मा,कुलदीप,पलाराम,आदि भी शामिल रहे।

जेईई मेन में आरपीएस के 55 विद्यार्थियों ने 99 परसेंटाइल से अधिक पाया स्कोर

हरिभूमि न्यूज ▸▸| महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। विजय चिह्न बनाकर खुशी जाहिर करती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा घोषित जेईई मेन के परीक्षा परिणामों में आरपीएस ग्रुप के 55 विद्यार्थियों ने 99 परसेंटाइल व इससे अधिक अंक प्राप्त कर एक नया कीर्तिमान रचा। आरपीएस की हर्षि ने 99.985, परसेंटाईल, छवि यादव ने 99.92 परसेंटाईल, सुजल व पियूष व सुजल ने 99.86 परसेंटाइल प्राप्त कर अंकों की सर्वश्रेष्ठता का शिखर छुआ है, वहीं विषयवार परीक्षा परिणाम पर नजर डालें तो आरपीएस की हर्षि, ईशान, लक्षिता व अनुज ने फिजिक्स में 100 पर्सेंटाइल प्राप्त कर पूरे भारत में अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन की अमिट छाप छोड़ी। वहीं मैथ्स में ईशान ने 100 परसेंटाइल, छवि ने 99.99, हर्षि ने 99.98, तनिष्क व कार्तिक ने फिजिक्स में 99.96 पर्सेंटाइल प्राप्त की तो वहीं केमेस्ट्रि में हर्षि ने 99.98 पर्सेंटाइल प्राप्त कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। आरपीएस ग्रुप सीईओ इंजी मनीष राव ने बताया की हर्षि ने 99.985 परसेंटाइल, छवि यादव ने 99.92, सुजल ने 99.86, पियुष ने 99.86, प्रणव कुमार ने 99.83, हर्षित राय ने 99.80, सिद्धार्थ आर्य ने 99.80, इसान अफरिया ने 99.79, चनदाशू ने 99.44, रितविक ने 99.44, रिदम ने 99.77, दिव्यांशी तेवतीया ने 99.77, गुणादित्य संधू ने 99.77, चितवन ने 99.75, प्रियांशु ने 99.75, कृष ने 99.74, अनुज ने 99.69, याशिका ने 99.60, ललित ने 99.58, सुमित पहल ने 99.55, कार्तिक ने 99.52, कृष ने 99.52, श्रुति ने 99.52, द्वितिया गर्ग ने 99.51, मान्यु यादव ने 99.51, वंश ने 99.46, शुभम ने 99.46, विवान राव ने 99.42, विनय ने 99.42, लक्षिका ने 99.38, श्रेयांश रावत ने 99.38, अन्नु शर्मा ने 99.37,अभिनव व अमितानश ने 99.37, दिव्यम ने 99.35, दिपांशु ने 99.34, सिद्धार्थ ने 99.34,कशिश ने 99.33, मानस झा ने 99.32 अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजी. मनीष राव एवं डिप्टी सीईओ कुनाल राव सहित ग्रुप के सभी विद्यालयों के प्राचार्यों ने अपने प्राध्यापकों के उचित मार्गदर्शन व बच्चों की कड़ी मेहनत तथा अभिभावकों के सहयोग की सराहना की। चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने कहा कि एक ही ग्रुप के सबसे अधिक बच्चों ने जेईई मेन में अच्छी प्रसेंटाईल प्राप्त कर आरपीएस के साथ-साथ अपने जिले व प्रदेश का नाम गौरवांवित किया है।

दिव्य ज्योति जागृति संस्थान ने किया सत्संग कार्यक्रम आयोजित

- कार्यक्रम में संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कैथल

कैथल। साध्वी कुलदेवी भारती प्रवचन करते हुए

दिव्य ज्योति जागृति संस्थान के तत्वावधान में कैथल आश्रम में एक दिव्य सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस अवसर पर संस्थान की प्रचारिका एवं पूज्य श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या साध्वी कुलदेवी भारती जी ने श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए गूढ़ आध्यात्मिक विषयों पर प्रकाश डाला। साध्वी कुलदेवी भारती जी ने कहा कि जब भी इस धरती पर कोई महापुरुष अवतरित होते हैं, तो उनका उद्देश्य केवल एक होता है—समाज के प्रत्येक व्यक्ति को परम सत्य का साक्षात्कार कराना। वे मानव मात्र के भीतर स्थित आत्मा, जो स्वयं परमात्मा का ही अंश है, उसकी पहचान कराते हैं। यह कार्य वे ब्रह्मज्ञान या ब्रह्मविद्या के माध्यम से करते हैं। इस ब्रह्मज्ञान से व्यक्ति को आत्मबोध होता है और वह जान पाता है कि उसका सच्चा स्वरूप क्या है। यही ज्ञान मनुष्य को भटकाव से मुक्ति दिलाकर उसे सच्चे धर्म के पथ पर अग्रसर करता है। लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब समाज ब्रह्मज्ञान के मूल तत्वों को छोड़ केवल महापुरुषों के नाम पर बाहरी आडम्बरों और उपदेशों तक सीमित रह जाता है। जब आत्मसाक्षात्कार नहीं होता, तब धर्म केवल एक परंपरा बन कर रह जाता है। साध्वी जी ने कहा कि जब व्यक्ति बिना ब्रह्मज्ञान के केवल धार्मिक आडम्बरों का पालन करता है।

वॉयस ऑफ मीडिया संगठन में पत्रकारों के हित सुरक्षित : मनोज

- बोले : मई माह में राजधानी दिल्ली में आयोजित होगा 2 दिवसीय राष्ट्रीय महाअधिवेशन

हरिभूमि न्यूज. ▸▸| कैथल

कैथल। में पत्रकारों से मुखातिब होते हुए वॉयस ऑफ मीडिया के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज वर्मा व जिला अध्यक्ष कृष्ण प्रजापति।

वॉयस ऑफ मीडिया संगठन में समस्त पत्रकारों के हित सुरक्षित हैं तथा पत्रकारों के हितों के लिए यह संगठन दिन रात काम कर रहा है। उक्त शब्द आज यहां लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह में वॉयस ऑफ मीडिया संगठन के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज वर्मा ने पत्रकारों से मुखातिब होते हुए कहे। अपने संबोधन में उन्होंने देश के तमाम पत्रकारों व पत्रकार संगठनों से इस संगठन में जुडने की अपील की व संगठन के पांच सूत्रीय एजेंडे को भी पत्रकारों के सम्मुख रखा। इस समारोह की अध्यक्षता वॉयस ऑफ मीडिया संगठन के जिला कैथल अध्यक्ष कृष्ण प्रजापति ने की। मनोज वर्मा ने संगठन के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि संगठन के राष्ट्रीय संयोजक संदीप काले, उत्तर भारत के अध्यक्ष सतपाल बरसाना व प्रदेशाध्यक्ष बंसी लाल पांचाल के कुशल नेतृत्व व मार्गदर्शन में आगामी 14 व 15 मई को देश की राजधानी दिल्ली में दो दिवसीय राष्ट्रीय महाअधिवेशन होने जा रहा है। जिसमें देश के कई दिग्गज पत्रकार व राजनीतिज्ञ लोग उपस्थित होंगे। इस अवसर पर राकेश कथूरिया, नरेश सांच, रमेश तंवर, ऊषा चौहान, लाजपत राय सिंगला आदि मौजूद रहे।

बस स्टेंड राजौंद व महाराणा प्रताप चौक पर साइबर अपराधों के बारे किया जागरूक

- साइबर ठगी होने पर डायल 1930 कर अपनी शिकायत रजिस्टर्ड करा कर ठगी रकम प्राप्त कर सकते हैं वापिस

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कैथल

कैथल। युवाओं को जागरूक करते पुलिस कर्मचारी

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि बढते साइबर क्राइम को देखते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कैथल के आदेशानुसार जिला पुलिस की टीमें जिले में विभिन्न स्थानों पर हेल्पडेस्क लगाकर आमजन को साइबर अपराधों बारे जागरूक कर रही है। रविवार को एसपी राजेश कालिया के कुशल मार्गदर्शन में बस स्टेण्ड राजौंद व महाराणा प्रताप चौक राजौंद पर साइबर हेल्पडेस्क लगाकर आमजन को विभिन्न प्रकार के साइबर अपराध के तरीकों तथा उनसे बचाव के उपायों के बारे में जानकारी प्रदान की गई। प्रवक्ता ने बताया इस दौरान साइबर थाना प्रभारी पी.एस.आई शुभ्राशु की अगुवाई में पुलिस टीम द्वारा आमजन को बताया गया की आज के समय साइबर अपराध चरम पर है आए दिन नए-नए तरीकों से लोगों को ठगा जा रहा है । इन्हें रोकने के लिए जागरूक होने की जरूरत है । सभी को समझना होगा कि साइबर अपराध करने वाले लोग बडे ही चालाक किस्म के हैं जिनसे सभी को बचना होगा । वैसे जिला में साइबर क्राइम थाना, साइबर सैल और साइबर हेल्प डेस्क गठित है, जो लगातार इस दिशा में काम रही है। फेसबुक, इंस्ट्राग्राम, व्हाट्सएप आदि सोशल साइट्स से हनी ट्रैप के संबंध में सभी को जागरूक रहने के लिए कहा गया । सिम कार्ड के माध्यम से, एटीएम कार्ड बदलकर, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड के माध्यम से, बायोमैट्रिक, क्यूआर कोड स्कैन, सोशल मीडिया पर अनजान व्यक्ति से दोस्ती, फर्जी कॉल, अनजान व्हाट्सएप वीडियो कॉल, ऑनलाइन लोन देने वाले ऐप, सोशल मीडिया पर रुपयों की मांग करने वालों से, गूगल से कस्टमर केयर नंबर सर्च करने बारे, यूपीआई संबंधी फ्राड के प्रति एवं साइबर ठगी होने पर साइबर राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 बारे भी जागरूक किया ।

बचाव आम नागरिक लू से बचाव के लिए एडवाइजरी की करें अनुपालना : डीसी

गर्मी व लू से बचाव के लिए एहतियात बरतें जिलावासी

- बच्चों, बुजुर्गों को लू लगने का ज्यादा खतरा रहता

हरिभूमि न्यूज ▸▸| कैथल

जिला आपदा एवं प्रबंधन प्राधिकरण के चेयरमैन एवं डीसी प्रीति ने कहा कि गर्मी का मौसम शुरू हो चुका है। ऐसे में हवा के गर्म थपेड़ों और बढ़े हुए तापमान से लू लगने का खतरा बढ़ जाता है। खासकर धूप में घूमने वालों, खिलाड़ियों, बच्चों, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को लू लगने का डर ज्यादा रहता है। लू लगने के बाद उसके इलाज से बेहतर है कि हम लू लगने से बचे रहें। उन्होंने कहा कि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग हरियाणा द्वारा जनहित में लू से बचाव के लिए एडवाइजरी जारी की गई है, जिसकी सभी को पालना करते हुए स्वास्थ्य सुरक्षा बनाए रखनी है। इसके साथ ही सभी विभाग भी गर्मी व हीट वेव के बचाव के लिए पूरी तैयारियां रखें और आमजन के साथ साथ पशुओं को भी हीट वेव से बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाएं।

डीसी प्रीति ने आमजन से आह्वान किया कि वे सरकार की ओर से जारी की गई एडवाइजरी की पालना करें और लू से बचे रहें। उन्होंने बताया कि लू से बचाव के लिए स्थानीय मौसम संबंधी खबरों के लिए रेडियो सुनें, टीवी देखें, समाचार पत्र पढ़ें, गर्मी में हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहनें, अपना सिर ढककर रखें, कपड़े, हैट अथवा छतरी का उपयोग करें, पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं, ओआरएस (ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन), घर में बने पेय जैसे लस्सी, नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन कर तरोताजा रहें। डीसी ने कहा कि नंगे पांव बाहर न जाएं, काम के बीच में थोड़ा-थोड़ा विश्राम लें, खेत खलिहान में काम कर रहे हैं तो समय-समय पर पेड़ या छाया में ही आसरा लें। गर्मी के मौसम में जंक फूड का सेवन न करें। ताजे फल, सलाद तथा घर में बना खाना खाएं। खासतौर से दोपहर 12 बजे से सायं 4 बजे के बीच धूप में सीधे न जाए। यदि बच्चे को चक्कर आए, उल्टी घबराहट अथवा तेज सिरदर्द हो, सीने में दर्द हो अथवा सांस लेने में कठिनाई हो तो चिकित्सक को दिखाएं।

इन सावधानियों का रखें ख्याल

व्यक्तियों की खास देखभाल करें, यदि वे गर्मी से बेचैनी महसूस कर रहे हों तो उन्हें ठंडक देने का प्रयास करें। इसके साथ ही अपने जानवरों का भी लू से बचाव करें। उन्हें पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी दें, उन्हें घर के भीतर रखें। यदि उन्हें घर के भीतर रखा जाना संभव न हो तो उन्हें किसी छायादार स्थान में रखें, जहां वे आराम कर सकें। ध्यान रखें कि जहां उन्हें रखा जाए वहां दिनभर छाया रहे। यदि आपके पास कुत्ता है तो उसे गर्मी में न टहलाएं, उन्हें सुबह और शाम को घुमाएं। किसी भी स्थिति में जानवर को वाहन में न छोड़ें।

ओ.एस.डी.ए.वी. स्कूल में अटल कम्यूनिटी विक का आयोजन

अटल कम्यूनिटी विक में भाग लेते विद्यार्थी

कैथल। ओ.एस.डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, कैथल ने सहोदया कॉम्प्लेक्स, कैथल के तत्वावधान में अटल कम्यूनिटी विक का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जो नीति आयोग के अटल नवाचार मिशन के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण पहल है, जिसका उद्देश्य छात्रों के बीच नवाचार, रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना है। इस सप्ताह भर के आयोजन का मुख्य केंद्र अटल टिंकरिंग लैब (अळछ) था। आयोजन की शुरूआत पारंपरिक ह्यदीप प्रज्वलनह्न समारोह से हुई, जो ज्ञान, अन्वेषण और नवाचार से भरे सप्ताह की शुरूआत का प्रतीक था। इस कार्यक्रम में कई प्रतिष्ठित स्कूलों ने भाग लिया, जो सहोदया स्कूल कॉम्प्लेक्स कैथल के सदस्य हैं।इन स्कूलों के शिक्षकों और छात्रों ने ओ.एस.डी.ए.वी. का दौरा किया और छात्रों द्वारा संचालित नवाचार और तकनीकी आधारित शिक्षण अनुभवों का पता लगाया। दीया और आयान कक्षा बारहवीं के छात्र, साथ ही शहमन कक्षा दसवीं के छात्र और अन्य 10 स्वयंसेवक छात्रों ने भौतिकी और रसायनशास्त्र जैसे विषयों से जुड़े विज्ञान आधारित मॉडलों को समझाया।

खबर संक्षेप

सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला गेहूं खरीद का जायजा लेते हुए।

किसान व आढ़ती साथियों की समस्याएं जानीं

कैथल। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस महासचिव एवं सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला व कैथल के विधायक आदित्य सुरजेवाला ने आज कैथल नई अनाजमंडी व अतिरिक्त अनाज मंडी का दौरा कर मजदूर भाईयों तथा किसान व आढ़ती साथियों की समस्याएं जानीं। रणदीप सुरजेवाला व आदित्य सुरजेवाला ने भाजपा सरकार व मुख्यमंत्री नायब सैनी पर हमला बोलते हुए कहा कि खेत में आग से पीला सोना- गेहूं जल रही है, तो मंडियों में बारिश की मार व भाजपा सरकार के कुप्रबंधन से गेहूं सड़ रही है, खराब हो रही है। नायब सैनी सरकार की बदइंतजामी के चलते हरियाणा की मंडियों में न गेहूं की फसल का उठान हो रहा और न ही किसान का भुगतान हो रहा। मजदूर मजदूरी के लिए तरस रहे हैं और आढ़ती बारदाने से लेकर उठान से परेशान हैं।

सर्वजातीय कंडेला खाप की सरदारी उचाना हुई रवाना

जींद। सर्वजातीय खाप पंचायत के राष्ट्रीय संयोजक व भारतीय किसान मजदूर यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष टेकराम कंडेला के नेतृत्व में रविवार को संत धन्ना भगत की जयंती पर उचाना में दाहडन खाप के चबूतरे पर मनाई जा रही के लिए रवाना हुए। इसमें मुख्यअतिथि के तौर पर प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रहे। कंडेला ने कहा कि आज किसान संगठन व खाप पंचायतों के प्रतिनिधि भारी संख्या में उचाना के लिए पहुंचे हैं। प्रदेश सरकार व दाडन खाप की तरफ से उचाना में भगत की जयंती मनाई जा रही है। जो पिछली सरकार ने इसकी शुरुआत की थी। संत धन्ना भगत जाट के कार्यों को उसके द्वारा किए गए सामाजिक कार्यों को भी सामाजिक समानता बनाए रखने के लिए याद किया जाता है। कंडेला ने कहा कि खाप पंचायत व किसानों की धरती आज कंडेला से बाहरी संख्या में लोग शामिल होंगे।

जीवन को संवारती है सुदर्शन क्रिया : नरेश

जींद। भारत विकास परिषद जुलाना शाखा के सौजन्य से आर्ट ऑफ लिविंग के तीन दिवसीय हैप्पीनेस प्रोग्राम का समापन हनुमान मंदिर में हुआ। जिसमें मनोवैज्ञानिक नरेश जागलान ने उपस्थित प्रतिभागियों को सुदर्शन क्रिया का अनुभव करवाया। उन्होंने बताया कि सुदर्शन क्रिया एक लयबद्ध सांसों की प्रक्रिया है, जिसके करने से तनाव व चिंता से मुक्ति मिलती है। सभी प्रतिभागियों ने सुदर्शन क्रिया का आनंद लिया और अपने अनुभव सांझा किए। भारत विकास परिषद के सक्रिय सदस्य रामलाल सिंगला व गुरदास सिंह ने बताया कि सुदर्शन क्रिया करने से विचारों में सकारात्मकता की अनुभूति हुई। मन शांत हुआ और जागरूकता बढ़ी। कपड़ा व्यापारी विनोद जिंदल ने बताया कि आर्ट ऑफ लिविंग का हैप्पीनेस कार्यक्रम करने से जीवन को नया दृष्टिकोण मिला है।

जींद जंक्शन पहुंचे रेलवे महाप्रबंधक ने किया दावा : जुलाई माह में पटरी पर दौड़ेगी हाईड्रोजन ट्रेन

दो महीने में पूरा हो जाएगा जींद में देश के पहले हाइड्रोजन प्लांट का निर्माण कार्य

रेलवे यूनियन के नेताओं से भी की मुलाकात, कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। निरीक्षण करते हुए उत्तर रेलवे दिल्ली महाप्रबंधक अशोक वर्मा।

फोटो :हरिभूमि

रेलवे महाप्रबंधक अशोक वर्मा रविवार को जींद जंक्शन पहुंचे और रेलवे स्टेशन और हाइड्रोजन प्लांट का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने दावा किया कि आगामी दो माह में देश के पहले हाइड्रोजन प्लांट का निर्माण कार्य पूरा हो जाएगा। इस दौरान रेलवे यूनियन नेताओं ने भी महाप्रबंधक से मुलाकात की और मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने रेलवे कर्मचारियों को आश्वासन दिया कि मांगों व समस्याओं का तुरंत समाधान किया जाएगा। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक अशोक वर्मा ने कहा कि जुलाई महीने में देश की पहली हाईड्रोजन ट्रेन चलेगी। यह ट्रेन जींद से सोनीपत के बीच दौड़ेगी। हाईड्रोजन प्लांट का निर्माण दो महीने में पूरा हो जाएगा। महाप्रबंधक अशोक वर्मा ने कहा कि हाइड्रोजन से चलने वाली ट्रेन का निर्माण कार्य चेन्नई में चल रहा है। उसका भी कार्य अंतिम चरण में चल रहा है। हाइड्रोजन प्लांट का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है और इसे बनाने वाली कंपनी इसमें सुरक्षा का पूरा इंतजाम कर रही है। चेन्नई में बन रही ट्रेन को जींद लाया जाएगा। इसके बाद ट्रेन का ट्रायल लिया जाएगा और उसके बाद सुचारू रूप से जींद से सोनीपत के बीच आवागमन शुरू हो जाएगा। महाप्रबंधक अशोक वर्मा ने निरीक्षण के दौरान रेलवे कर्मचारियों की समस्याओं को भी सुना। उन्होंने जींद में वाशिंग लाइन जो अभी 17 कोच की है, उसको बढ़ाकर 23 कोच की करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से इस बारे में चर्चा की और कहा कि छह कोच की लाइन को बढ़ाने के लिए जिस भी चीज की जरूरत है उसकी तैयारी पूरी की जाए। इसके अलावा रेलवे जंक्शन के नए के जीर्णोद्धार का कार्य अगस्त सतंबर तक पूरा हो जाएगा। इसमें फुट ओवरब्रिज का काम बकाया है और इसे जल्दी पूरा हो जाएगा।

रेलवे के पैनल पर आएंगे दो अस्पताल

एनआरएमयू और डीआरएमयू यूनियन के नेताओं ने महाप्रबंधक को मांग पत्र सौंपे। नेताओं ने जींद में रेलवे के पैनल पर किसी भी अस्पताल के नहीं होने का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि जींद में लगभग चार हजार रेलवे के कर्मचारी और एक हजार पूर्व कर्मचारी हैं। इन लोगों के इलाज के लिए रेलवे के पैनल पर कोई अस्पताल नहीं है। पहले दो अस्पताल होते थे लेकिन वर्तमान में एक भी अस्पताल पैनल पर नहीं है। रेलवे के कर्मचारियों ने कहा कि जींद में दो अस्पतालों को पैनल पर लेने के लिए फाइल प्रोसेस में चल रही है। उन्होंने महाप्रबंधक से इसे जल्द स्वीकृति प्रदान करने की मांग की। महाप्रबंधक ने आश्वासन दिया कि वह इस मामले में व्यक्तिगत रूप से रुचि लेकर इस काम को जल्दी से करवाएंगे ताकि रेलवे के कर्मचारियों को कोई दिक्कत ना हो। उत्तर रेलवे दिल्ली महाप्रबंधक अशोक वर्मा ने बताया कि चेन्नई में ट्रेन तैयार की जा रही है। इसके बाद हाईड्रोजन गैस से चलने वाली ट्रेन का ट्रायल लिया जाएगाए उसके बाद जींद से सोनीपत के बीच ट्रेन शुरू कर दिया जाएगा। जींद में बन रहे हाईड्रोजन प्लांट का निरीक्षण किया गया।

जींद। जेल मंत्री को निमंत्रण देते हुए पदाधिकारी। फोटो :हरिभूमि

भगवान परशुराम शोभायात्रा में शामिल होंगे मंत्री अरविंद शर्मा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद में 26 अप्रैल को प्रस्तावित भगवान परशुराम जन्मोत्सव शोभायात्रा व सम्मान समारोह को लेकर सहकारिता एवं जेल मंत्री डा. अरविंद शर्मा बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करेंगे। समारोह आयोजक जींद महासभा के प्रधान मोहन शर्मा व समाज के अनेक लोगो ने मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा को विधिवत तरीके से न्योता दिया तो उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया। प्रधान मोहन शर्मा और जितेंद्र कौशिक ने बताया कि भगवान परशुराम के जन्म पर शोभा यात्रा और सम्मान समारोह का भव्य आयोजन होगा। कार्यक्रम को लेकर हर वर्ग उत्साहित नजर आ रहा है। शोभा यात्रा शहर की मुख्य सड़कों से गुजरेगी। प्रतिभाशालियों को सम्मानित किया जाएगा।

जितेंद्र कौशिक ने बताया कि भगवान परशुराम ने अन्यायकारियों के खिलाफ अलख जगाते हुए उनका नाश किया था। इसलिए जहां भी कोई किसी पर अन्याय कर रहा हो तो उसके खिलाफ आवाज उठाते हुए पीड़ित की मदद करनी चाहिए। कौशिक ने कहा कि वर्तमान दौर में समाज तभी सशक्त हो पाएगा। जब हर कोई भाईचारे के साथ रह कर असामाजिक तत्वों के खिलाफ मोर्चा संभालेगा।

संविधान बचाओ अधिकार बचाओ सम्मेलन

बाबा साहेब अंबेडकर की सोच व शिक्षाएं दोनों के ही खिलाफ है सरकार: सुरजेवाला

अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान पर हो रहे हमलों पर जताया रोष

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रणदीप सुरजेवाला। फोटो :हरिभूमि

बाबा साहेब अंबेडकर की 135वें जन्मोत्सव पर आयोजित संविधान बचाओ अधिकार बचाओ? सम्मेलन को संबोधित करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व सांसदए रणदीप सिंह सुरजेवाला व विधायक आदित्य सुरजेवाला ने बाबा साहेब अंबेडकर द्वारा निर्मित संविधान पर हो रहे हमलों तथा दलितों के अधिकारों को खत्म करने की साजिश के खिलाफ आर-पार की निर्णायक लड़ाई लड़ने का आह्वान किया है। सुरजेवाला ने कहा कि भाजपा की मोदी व नायब सैनी सरकारें बाबा साहेब के भारत के अधिकारों पर षडयंत्रकारी हमला बोल रहे हैं। सुरजेवाला ने कहा कि जहाँ एक तरफ संविधान सम्मत दलितों के आरक्षण को भाजपा खत्म कर रही है वहाँ दलितों के कल्याण की स्कीमों का बजट काट साजिशन तरीके से उन्हें सरकार में हिस्सेदारी से बाहर निकालाष जा रहा है। यह बाबा साहेब अंबेडकर की सोच व शिक्षाए दोनों के ही खिलाफ है। सुरजेवाला ने संविधान और दलित अधिकारों पर हो रहे हमलों को सिलसिलेवार गिनवाते हुए एक नए संघर्ष की शुरुआत की हुंकार भरीः. संविधान बदलने की साजिश . गरीबों के अधिकारों को खत्म करने का षडयंत्र साल 2000 में जब भाजपा पहली बार केंद्र में सत्ता में आईए तो उन्होंने ष्संविधान की समीक्षाष के लिए आयोग बनायाए जो कांग्रेस के विरोध के चलते कामयाब नहीं हो पाया। साल 2024 के लोकसभा चुनाव में एक बार फिर भाजपा के नेताओं व उनके संसदीय उम्मीदवारों ने 400 पार का नारा देकर संविधान को बदलने की अपनी दुर्भावना को उजागर किया। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता बृजेंद्र सुरजेवालाए जगरूप सुरजेवालाए प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य सतबीर दबलैनए प्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य कैलाश सिंगलाएप्रदेश कांग्रेस कमेटी सदस्य सुशील कौशिक एडवोकेटएनगर परिषद पूर्व चैयरमैन भारत भूषण गर्गए युवा कांग्रेस प्रदेश महासचिव अमनदीप बेलरखाए संदीप लोटए राममेहर दनोदाए किताब सिंह प्रेमीए सुरेश धनौरीए प्रवेश माथुर ए संजीव भुक्कलए हलका महिला कांग्रेस एससी सैल प्रधान मंजू बालाए भरत सिंह मलिकए जियालाल गोयलए सज्जन सिंगलाए जयदेव बंसलए पार्षद आशुतोष आदि मौजूद रहे।

जिले के 294 मुख्य शिक्षकों व 65 मेंटर को करवाया सीआरपी से अवगत

■ क्लास रेडिनेस प्रोग्राम के तहत कार्यशाला का हुआ आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। कार्यक्रम में भाग लेते हुए अध्यापक। फोटो :हरिभूमि

जिले के पांच खंडों के मुख्य शिक्षकों व मेंटर को शिक्षा विभाग की ओर से 42 दिन चलने वाले क्लास रेडिनेस प्रोग्राम के बारे मे जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी के मार्गदर्शन मे जिला समन्वयक एफएलएन राजेश वशिष्ठ व एसपीआईयु सदस्य विपुल, संपर्क फाउंडेशन से अभिषेक द्वारा खंड जींद के 105 मुख्य शिक्षकों व 16 मेंटर, अलेवा खंड से 29 मुख्य शिक्षकों व 8 मेंटर, पिलुखेड़ा खंड से 36 मुख्य शिक्षकों व 9 मेंटर, सफीदों खंड से 59 मुख्य शिक्षकों व 9 मेंटर, उचाना खंड से 65 मुख्य शिक्षकों व 12 मेंटर को सीआरपी की जानकारी दी। जिला समन्वयक एफएलएन राजेश वशिष्ठ ने बताया की क्लास रेडिनेस प्रोग्राम 16 अप्रैल से शुरू होकर 23 मई तक चलेगा। जिसमें कक्षा इंचार्ज को बच्चों की पिछली कक्षा की दक्षताओं से परिपूर्ण करना है ताकि बच्चा वर्तमान कक्षा मे किसी भी प्रकार की ही भावना ना लाए व बच्चा खेल-खेल मे बिना किसी डर व भय के साथ समझ सहित सीखे। खंड नरवाना के 72 मुख्य शिक्षकों व 14 मेंटर तथा खंड जुलाना के 58 मुख्य शिक्षकों व 11 मेंटर को सोमवार को सीआरपी की जानकारी दी जाएगी। खंड जींद मे प्रधानाचार्य डा. सुरेन्द्र, ब्लॉक कॉर्डिनेटर अमनदीप व प्रवीण कुमार ने अपना सराहनीय योगदान दिया है। जिला समन्वयक एफएलएन राजेश वशिष्ठ ने बताया कि बच्चों को विभागीय समय सारिणी द्वारा निर्धारित समय में अलग-अलग गतिविधियों से सीखाने का कार्य करवाया जाएगा। जिसका उद्देश बच्चों को समझ के साथ पना आना है।

परीक्षा एडमिट कार्ड डाउनलोड के लिए लिंक जारी

सुपर 100 लेवल 2 की परीक्षा 28 अप्रैल से सात मई तक तीन बैच में

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सुपर 100 लेवल 2 की परीक्षा 28 अप्रैल से सात मई तक तीन बैच में आयोजित होगी। इस दौरान तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। जिसमें सुपर 100 लेवल 1 परीक्षा में उत्तीर्ण जिले के 158 विद्यार्थी शामिल होंगे। कुरुक्षेत्र में आयोजित होने वाली कार्यशाला को लेकर विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने शेड्यूल जारी करने के साथ-साथ जरूरी दिशाण्निर्देश जारी किए हैं। विद्यार्थियों के लिए सुपर 100 कैंपस में मोबाइल फोन, डिजिटल घड़ी, कैलकुलेटर, ब्लू टूथ जैसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरण सख्त वर्जित है। वहीं विद्यार्थी के किसी भी अस्वीकार्य व्यवहार में संलिप्त पाए जाने पर विद्यार्थी को तुरंत सुपर 100 कार्यक्रम से अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा और उसे परीक्षा देने की अनुमति नहीं दी जाएगी। निदेशालय की ओर से जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किए हैं कि वह अपने-अपने जिले के सभी संबंधित स्कूल प्राचार्य को हरियाणा सुपर 100 लेवल 2 परीक्षा बैच 2025-27 के बारे में सूचित करें। यह परीक्षा 28 अप्रैल से सात मई तक कुरुक्षेत्र के ढांड रोड पर गांव बारना के सुपर 100 परिसर में निर्धारित है। परीक्षा के तहत तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा।

गेहूं से अटी मंडी, बारदाना खत्म

जुलाना की अनाजमंडी में गेहूं की आवक तेज, उठान धीमा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जुलाना

जींद। जुलाना की अनाजमंडी में लगे गेहूं के ढेर।

जुलाना कस्बे की नई अनाज मंडी में गेहूं की आवक तेजी से हो रही है। मंडी में अबतक 70 लाख 486 किवंटल गेहूं की आवक हो चुकी है। मंडी गेहूं से पूरी तरह अट चुकी है। मंडी में गेहूं की आवक तेजी से हो रही है लेकिन उठान का काम धीमी गति से हो रहा है। लाखों किवंटल गेहूं खुले आसमान के नीचे पड़ा हुआ है। अगर बरसात आती है तो किसानों और आढ़तियों की परेशानियां जरूर बढ़ेंगी। जुलाना मंडी के अंतर्गत आने वाले खरीद केंद्र शामलो कलां में अब तक 9103 क्विंटल तो फतेहगढ़ खरीद केंद्र पर 2646 क्विंटल गेहूं की आवक हो चुकी है। मंडी से अब तक तीन लाख छह हजार क्विंटल गेहूं का उठान नही हो पाया है। आने वाले दिनों में गेहूं की आवक और भी बढ़ेगी। मंडी में उठान नही होने के कारण जगह जगह जाम लग गए हैं। इसके अलावा मंडी में जाम ना लगे इसके लिए आढ़तियों ने मंडी में गेहूं के बड़े-बड़े ढेर भी लगा दिए हैं। अगर बरसात आती है तो किसानों और आढ़तियों की परेशानियां जरूर बढ़ेंगी। मंडी में दो एजेंसियां खरीद कर रही है। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के पास तो बारदाना आ गया लेकिन वेयरहाउस का बारदाना खत्म हो चुका है। उम्मीद की जा रही है कि आज शाम तक मंडी में बारदाना पहुंच जाएगा।

जुलाना मंडी सचिव कोमिला ने बताया कि मंडी में किसानों के फसल बेचने के लिए सभी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। मंडी में सफाई, बिजली और पानी के सभी प्रबंध प्रशासन द्वारा किए गए हैं। मंडी में किसानों को फसल बेचने में कोई परेशानी नही आने दी जाएगी।

भगवान परशुराम जन्मोत्स धूमधाम से मनेगा

भगवान परशुराम जन्मोत्सव समारोह को लेकर हुई बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सफीदों

भगवान परशुराम जन्मोत्सव को लेकर अखिल भारतीय ब्राह्मण संसद की एक बैठक नगर के ऐतिहासिक नागक्षेत्र मंदिर हॉल में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष संजीव गौत्तम ने की। बैठक में सर्वसम्मति से फैसला लिया गया कि आगामी 29 अप्रैल को भगवान परशुराम जन्मोत्सव सफीदों में धूमधाम से मनाया जाएगा। बैठक में इस आयोजन को लिए आवश्यक विचार-विमर्श करके कार्यकत्र्ताओं की ड्यूटियां निर्धारित की गई। इसी कड़ी में हवन प्रमुख कुलदीप गणेश, हवन आचार्य सतीश कुमार, भंडारा प्रमुख प्रमोद कौशिक व प्रमोद गौत्तम, सनातन धर्म यात्रा प्रमुख सचिन रत्ताखेड़ा को बनाया गया। बैठक में फैसला लिया गया कि इस अवसर पर निकाली जाने वाली शोभायात्रा का स्लोगन बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओं व पेड़ लगाओं-पर्यावरण बचाओं रहेगा। अपने संबोधन में अध्यक्ष संजीव गौत्तम ने कहा कि पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी सर्वसमाज को साथ लेकर नगर के महाभारतकालीन नागक्षेत्र सरोवर हॉल भगवान परशुराम जन्मोत्सव आगामी 29 अप्रैल को धूमधाम से मनाई जा रही है। इस मौके पर सतपाल सत्ती, प्रमोद गौत्तम, विनोद कौशल, पार्षद कपिल शर्मा, होशियार शर्मा, एडवोकेट प्रदीप कौशिक, सुरेश शर्मा, विनोद मिश्रा, सत्यदेव चौबे आदि मौजूद रहे।

निर्देश दाखिले के समय परिवार पहचान पत्र और बैंक से संबंधित पूर्ण जानकारी उपलब्ध करवानी होगी

छात्रों को छात्रवृत्ति, वर्दी, स्कूल बैग और स्टेशनरी भत्ता की राशि देने के लिए पत्र जारी

प्रोत्साहन राशि का लाभ प्राप्त करने से वंचित रहने पर स्कूल मुखिया व कक्षा इंचार्ज होगा जिम्मेवार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय। फोटो : हरिभूमि

कक्षा पहली से आठवीं तक की विभिन्न छात्रवृत्ति, प्रोत्साहन स्कीमों के तहत विद्यार्थियों को वित्त वर्ष 2025-26 में छात्रवृत्ति, वर्दी, स्कूल बैग और स्टेशनरी भत्ता की राशि प्रदान करने के लिए मौलिक शिक्षा हरियाणा के महानिदेशक ने प्रदेश के सभी जिला मौलिक शिक्षा अधिकारियों को पत्र जारी किया है। इसमें स्कीमों का लाभ प्रदान करने के लिए दाखिले के समय परिवार पहचान पत्र और बैंक से संबंधित पूर्ण जानकारी उपलब्ध करवाने बारे लिखा गया है। डीडीईओ को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि वह अपने अधीन विद्यालयों के मुखिया को निर्देश दें कि छात्रवृति, प्रोत्साहन स्कीमों का स्कीमानुसार वन स्कूल एप पोर्टल पर विद्यार्थियों को पूरा डाटा अपलोड करें। इसमें परिवार पहचान पत्र का आईडी नंबर, विद्यार्थी का बैंक खाता संख्या, बैंक आईएफएससी कोड बैंक के नाम सहित हर अवस्था में भरना सुनिश्चित करें। पहली कक्षा में दाखिला लेने वाले बच्चों के बैंक खाता खोलने की प्रक्रिया भी पूर्ण करें ताकि सभी विद्यार्थियों को छात्रवृतिध्प्रोत्साहन स्कीमों में छात्रवृति वर्दी, स्कूल बैग और स्टेशनरी भत्ता की राशि का लाभ सीधे तौर पर डीबीटी, पीएफएमएस के माध्यम से उनके बैंक खातों में किया जा सके। विद्यार्थियों का डाटा पूर्ण नही भरे जाने के अभाव में कोई भी पात्र विद्यार्थी छात्रवृति, प्रोत्साहन राशि का लाभ प्राप्त करने से वंचित रह जाता है तो इसके लिए विद्यालय का मुखिया और कक्षा इंचार्ज जिम्मेदार होंगे। राजकीय स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को विभिन्न छात्रवृत्ति, प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाती है। राजीव गांधी स्कॉलरशिप के तहत छठी से आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों में से एक लड़का और एक लड़की को कक्षा में टॉप करने पर 750 रुपये छात्रवृत्ति के रूप में मिलती है।

विद्यार्थियों का डाटा करना होगा अपलोड

जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी डा. सुभाष वर्मा ने बताया कि कक्षा पहली से आठवीं तक के विद्यार्थियों को अलग-अलग प्रकार की छात्रवृत्ति, प्रोत्साहन राशि दी जाती है। विद्यार्थियों को वित्त वर्ष 2025-26 में छात्रवृत्ति, वर्दी, स्कूल बैग और स्टेशनरी भत्ता की राशि प्रदान करने के लिए मौलिक शिक्षा हरियाणा के महानिदेशक ने पत्र जारी किया है। विद्यार्थियों का डाटा वन स्कूल एप पोर्टल पर अपलोड करना है।

जींद। कालका जी मंदिर के लिए रवाना हुए श्रद्धालु। फोटो :हरिभूमि

श्री जयंती देवी मंदिर से कालकाजी मंदिर दिल्ली के लिए बस हुई रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

शहर के मध्य स्थित जयंती देवी मंदिर सिद्धपीठ से रविवार को दिल्ली स्थित कालकाजी मंदिर के लिए पहली बस यात्रा रवाना हुई। श्री जयंती देवी मंदिर के पुजारी नवीन शास्त्री के सानिध्य में आयोजित इस बस यात्रा में महिला श्रद्धालु कीर्तन मंडली शामिल हुई। यह बस दिल्ली में कालकाजी मंदिर में माता के दर्शन करवा कर श्रद्धालुओं को जींद लेकर आएगी। बस में माता के भजन गाते हुए महिलाओं ने सफर किया। पुजारी नवीन शास्त्री ने कहा कि दिल्ली में माता कालका जी के मंदिर का अपना महत्व और श्रद्धालु महिलाओं ने जब कालकाजी मंदिर के दर्शन करने की इच्छा जाहिर की तो उनके मन में भी माता के दर्शन करने का विचार आया और उन्होंने इस कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया।